छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 81 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 24 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

12वीं बोर्ड का हिंदी पेपर रद्द, परीक्षार्थियों को 10 अप्रैल को पुनः देनी होगी परीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 12वीं की हिन्दी परीक्षा को रद्द कर दिया है। मंडल की ओर से जारी आदेश के अनुसार 14 मार्च को आयोजित हिन्दी विषय की परीक्षा अब अमान्य मानी जाएगी। इसे दोबारा 10 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, यानी स्टूडेंट्स को परीक्षा फिर से देना होगा।

दरअसल, 15 और 16 मार्च को सोशल मीडिया और कुछ समाचार पत्रों में हिन्दी विषय के सेट 'बी' का प्रश्नपत्र लीक होने के दावे सामने आए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच के लिए साइबर थाने में लिखित सूचना दी गई। सिटी कोतवाली में एफआईआर भी दर्ज कराई गई। इसके बाद मंडल की परीक्षा समिति की बैठक 23 मार्च को आयोजित की गई, जिसमें जांच के आधार पर परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया गया। मंडल ने भी यह माना है कि पेपर लीक हुआ है। मंडल ने बताया है कि हिन्दी विषय की परीक्षा अब 10 अप्रैल को सुबह 9 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक होगी। छात्रों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। 9.05 बजे उत्तर पुस्तिका मिलेगी, 9.10 बजे प्रश्नपत्र दिया जाएगा और 9.15 बजे से लिखना शुरू करना होगा। मंडल ने छात्रों से कहा है कि वे नई समय-सारणी ध्यान से देखें और उसी के अनुसार तैयारी करें। अगर परीक्षा के दौरान कोई छुट्टी घोषित होती है, तब भी परीक्षा तय समय पर ही होगी।

टेलीग्राम ग्रुप पर आया मैसेज

एक रैंडम टेलीग्राम ग्रुप पर 13 मार्च, रात करीब 11 बजकर 10 मिनट पर ये मैसेज आया। मैसेज के साथ एक इमेज अटैच थी। आगे लिखा था 12वीं बोर्ड हिंदी पेपर, दो इमोजी और अगली लाइन...सीजी बोर्ड 2026 रियल क्वेश्चन पेपर। ग्रुप के सभी मेंबर्स ने बिना देरी किए सबसे पहले ये इमेज मोबाइल पर सेव कर लिया। इसके बाद ये इमेज वाला मैसेज 15 मिनट में 15,000 से अधिक स्टूडेंट के मोबाइल पर पहुंच गया। इमेज के दो पन्नों पर 15 सवाल थे। पहले पेज के कॉर्नर पर लिखा था बी1, सभी 15 सवाल हाथ से लिखे गए थे, लेकिन लिखाई का पैटर्न बिल्कुल असली क्वेश्वचन पेपर की तरह था। सिर्फ हिन्दी ही नहीं, अंग्रेजी और कुछ दूसरे सब्जेक्ट्स के भी पेपर इसी तरह की हैंड राइटिंग में लिखकर कई ग्रुप्स में शेयर हुए थे।

10 घंटे पहले ही लीक हुआ था पेपर

14 मार्च को सुबह ठीक 9 बजे, छत्तीसगढ़ बोर्ड का हिंदी पेपर शुरु हुआ। इस पेपर के सेट बी में पूरे 15 सवाल वही और उसी क्रम में पूछे गए जो इमेज में थे। यहां तक कि वैकल्पिक सवाल भी मेल खा गए। यानी बोर्ड का पेपर परीक्षा शुरू होने के लगभग 10 घंटे पहले ही लीक हो चुका था, लेकिन बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। पेपर के दो दिन बाद, 16 मार्च को मामले की शिकायत बोर्ड के अधिकारियों ने सिविल और साइबर पुलिस थाने में की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कुत्तों के हमले में हिरणों की मौत, मामले में उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन

समिति की अध्यक्षता सीसीएफ सरगुजा एवं सीसीएफ वाइल्ड लाइफ करेंगे, वन प्रबंधन समिति भंग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले से 15 हिरणों की मौत का मामला सामने आने के बाद जहां एक ओर वन विभाग की किरकिरी हो रही है, वहीं विभागीय कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। घटना को राज्य शासन ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। साथ ही संजय वन वाटिका का संचालन कर रही वन प्रबंधन समिति शंकरघाट को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। घटना सामने आने के बाद सोमवार को पार्क का संचालन बंद रहा, ऐसे में पार्क में आने वाले लोगों को निराशा का सामना करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, घटना 20-21 मार्च के दरम्यानी रात की है। संजय वन वाटिका के संरक्षित बाड़े में घुसे आवारा कुत्तों ने 31 हिरणों के झुंड पर हमला कर दिया था, जिसमें से 15 हिरणों के मौत की खबर ने हर किसी को हतप्रभ कर दिया। मामले में गठित जांच समिति की अध्यक्षता सीसीएफ सरगुजा एवं सीसीएफ वाइल्ड लाइफ द्वारा की जाएगी। समिति को पूरे घटनाक्रम की गहन जांच करके विस्तृत प्रतिवेदन शासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही समिति को संजय वन वाटिका की सुरक्षा व्यवस्था का आंकलन करके भविष्य के लिए आवश्यक सुझाव देने को भी कहा गया है। घटना के बाद विभागीय स्तर पर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर डिप्टी रेंजर सहित 5 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि रेंजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वन विभाग द्वारा संजय वन वाटिका की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए त्वरित कदम उठाए गए हैं। हिरणों के बाड़े की मरम्मत कराई गई है, ताकि भविष्य में कोई भी बाहरी जानवर अंदर प्रवेश न करे। साथ ही रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है और निगरानी के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। बड़ी घटना के सामने आने के बाद वनमंडलाधिकारी पार्क में सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने की बात कह रहे हैं, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके और इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

प्रेस नोट जारी करके देनी पड़ी सफाई

बताया जा रहा है कि शनिवार को संजय वन वाटिका में 6 कोटरा हिरण, 6 चीतल और 2 चौसिंघा की मृत्यु होने की खबर मिलने के बाद वन विभाग के बड़े अधिकारी मौका निरीक्षण करने के बाद पूरे घटनाक्रम को परदे के पीछे रखे थे। रविवार को जब एक और चीतल की मौत हुई, तो मामला मीडिया की सुर्खियां बन गया। इसके बाद प्रेस से बात करने में हिचक महसूस करने वाले अधिकारी गोलमोल बातें करते नजर आए। आननफानन में वनमंडलाधिकारी के द्वारा एक प्रेस नोट भी जारी करके खुद का दामन बचाने का काम किया गया।

तीसरे दिन भी बिसरा नहीं भेजा जांच के लिए

बता दें कि हिरणों की मौत का मामला शनिवार का है। घटना को लेकर वन विभाग के अधिकारी कितना गंभीर हैं, इसका आंकलन घटना के तीसरे दिन भी बिसरा जांच के लिए नहीं भेजने से किया जा सकता है। मृत वन्य प्राणियों का बिसरा पोस्टमार्टम के दौरान प्रिजर्व किया गया था। वनमंडलाधिकारी का कहना है कि बिसरा को जांच के लिए रायबरेली भेजने की तैयारी की जा रही है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके और किसी अन्य आशंका को दूर किया जा सके।

बड़े अधिकारियों को बचाने का लगा आरोप

इधर संजय वन वाटिका में 15 हिरणों की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु एवं इस मामले में वन विभाग की लापरवाही को लेकर युवा कांग्रेस ने सोमवार को जिलाध्यक्ष विकल झा के नेतृत्व में वनमंडलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने वनमंडलाधिकारी को 7 दिन का समय देकर कार्रवाई की मांग की है, और कहा है कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई करके दोषी बड़े अधिकारियों को बचाना दुर्भाग्यपूर्ण है। सात दिनों में वास्तविक दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर युवा कांग्रेस आंदोलन और घेराव करने बाध्य होगा। इस दौरान सतीश बारी, उत्तम राजवाड़े, आशीष जायसवाल, जवाहरलाल सोनी, नीरू बाबरा, अंकित जायसवाल, शिवराज सिंह, नवनीत सिंह, सतीश सिंह, आकाश यादव, संजर नवाज, कान्हा पटेल, आयुष सोनी एवं आकाश जायसवाल मौजूद थे।

चिकित्सकों की टीम ने पंडो जनजाति के 2 वर्षीय मासूम को दिया नया जीवन

खांसी-उल्टी के बाद बनी मरणासन्न स्थिति, समय पर रेफर और टीमवर्क से बची जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के दूरस्थ क्षेत्र के गंभीर हालत में रेफर हुए पंडो जनजाति के 2 वर्षीय बच्चे का राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर में सफल उपचार किया गया। बालक को गंभीर अवस्था में समय पर क्षेत्रीय अस्पताल से रेफर करने और विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार की सुविधा मिलने के कारण नया जीवन मिला।

जानकारी के मुताबिक, बालक चना खाते समय अचानक खांसी और उल्टी करने के बाद अचेत हो गया था और उसकी स्थिति तेजी से बिगड़ते मरणासन्न जैसी हो गई। बलरामपुर जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे तत्काल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया गया। यहां एनेस्थीसिया विभाग ने तत्काल एयर-वे मैनेजमेंट करते हुए बालक को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा था। सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी ने मामला सामने आने के बाद नाक, कान, गला विभाग को विशेष निगरानी हेतु निर्देशित किया। प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता, सहायक प्राध्यापक डॉ. उषा आर्मो एवं डॉ. राकेश निगम विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया की संयुक्त टीम के द्वारा बालक की जीवन रक्षा के लिए वेन्टीलेटरी उपचार प्रदान किया गया। यहां डॉ. के.आर. टेकाम विभागाध्यक्ष शिशु रोग एवं डॉ. सुमन ने बालक को गहन चिकित्सा इकाई में रखकर चिकित्सकीय सेवा प्रदान की। रेडियोलाजिस्ट डॉ. सुयश ने बालक की बेहोशी व गंभीर स्थिति को देखते हुए जांच के बाद बताया कि सीटी स्कैन रिपोर्ट में फेफड़ा सामान्य है, इससे उपचार की दिशा स्पष्ट हुई। लगातार तीन दिनों के गहन उपचार के बाद बालक की स्थिति में सुधार हुआ और उसे वेंटिलेटर से हटाया गया। पांचवें दिन बालक को पूर्णतः स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया गया।

ऐसे आहार फंस सकते हैं श्वांस नली में

प्राध्यापक नाक, कान, गला विभाग डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि बालक को जिस स्थिति में मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था, इसे देखने के बाद उसे तत्काल विशेष चिकित्सा सुविधा सुलभ कराई। उन्होंने बताया कि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को चना, मूंगफली, साबुत दाल, अंगूर, टॉफी या अन्य छोटे दानेदार खाद्य पदार्थ देते समय विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है, क्योंकि ऐसे पदार्थ आसानी से श्वांस नली (एयर-वे) में फंस सकते हैं और अचानक दम घुटने जैसी स्थिति बन सकती है। बच्चों को हमेशा बैठाकर, शांत अवस्था में तथा निगरानी में ही भोजन कराना चाहिए। खेलते, दौड़ते या रोते समय भोजन गलत दिशा में जा सकता है और जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। छोटे बच्चों को साबुत चना, मूंगफली या अन्य कठोर खाद्य पदार्थ सीधे नहीं देना चाहिए, बल्कि इन्हें पीसकर, मीस करके या सुरक्षित रूप में ही देना चाहिए।

आपात स्थिति में तुरंत ले जाएं अस्पताल

यदि बच्चे को अचानक तेज खांसी आए और सांस लेने में कठिनाई हो, आवाज न निकले या चेहरा अथवा होंठ नीले पड़ने लगें, तो इसे तत्काल आपात स्थिति समझना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत प्राथमिक सहायता के रूप में पीठ पर हल्की थपकी देकर अवरोध हटाने का प्रयास करें और बिना किसी विलंब के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल लेकर जाएं। समय पर उपचार ही जीवन रक्षक होता है, थोड़ी सी भी देरी बच्चे के लिए गंभीर और घातक सिद्ध हो सकता है। डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर में प्रति वर्ष 5 वर्ष से कम आयु के 10 से अधिक बच्चे गले या श्वांस नली में सिक्का, चना, सीटी, मूंगफली, दाल या सीताफल के बीज फंसने जैसी समस्याओं के साथ आते हैं, जिनका नाक, कान, गला विभाग द्वारा पूर्णतः निःशुल्क एवं सफल उपचार किया जाता है।

एसीबी ने नगरपालिका मनेंद्रगढ़ के रिश्वतखोर सीएमओ व लेखापाल को गिरफ्तार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एंटी करप्शन ब्यूरो की रेड में सोमवार को नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में उस समय हड़कंप मच गया जब एसीबी की टीम ने सीएमओ व लेखापाल को अपने हिरासत में ले लिया। मामला ठेकेदार से बिल पास कराने के नाम पर 33 हजार रुपये लेने का बताया जा रहा है। एसीबी की टीम ने सीएमओ इशहाक खान को उनके सरकारी निवास से व लेखापाल सुशील को नगर पालिका कार्यालय से हिरासत में लेकर आगे की पूंछताछ के लिए अपने साथ अंबिकापुर ले गई है। बताया जा रहा है कि नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ के सीएमओ व लेखापाल के खिलाफ ठेकेदार ने बिल पास कराने के नाम पर पैसे की मांग करने की शिकायत एसीबी अंबिकापुर से की थी। शिकायत पर एसीबी की टीम सोमवार को मनेंद्रगढ़ पहुंची और नगरपालिका कार्यालय में दबिश देकर छापामार कार्रवाई की, जिससे नगर पालिका कार्यालय में हड़कंप मच गया। एसीबी की टीम ने सीएमओ इशहाक खान को उनके सरकारी निवास से व लेखापाल सुशील को नगर पालिका कार्यालय से हिरासत में लिया और आगे की पूछताछ के लिए अंबिकापुर अपने साथ ले गई है। नगरपालिका के सीएमओ व लेखापाल के खिलाफ एसीबी की टीम की कार्रवाई के बाद शहर में तरह-तरह की जनचर्चाओं का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में लम्बे समय से भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। पार्षदों की पार्षद निधि बिना पार्षदों के जानकारी व अनुशंसा के गायब हो जाती है। इसे लेकर नगर पालिका कार्यालय का घेराव भी किया गया था। जनचर्चाओं में कहा जा रहा है कि नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में अभी हाल ही के दो-तीन साल के अंदर कितने कार्य हुए और किस मद से किसे कितना, किस काम के लिए भुगतान किया गया, जांच की जाए तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं।

एक माह से बेटी लापता, पिता ने थाने से एसपी कार्यालय तक लगाई गुहार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले में एक पिता बीते एक माह से अपनी लापता बेटी के तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर है। पिता की आंखों से बहते आंसू और बेटी को पुकारती उसकी आवाज आज भी न्याय और उम्मीद की तलाश में भटक रही है।

रघुनाथनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की बेटी 20 फरवरी की सुबह लगभग 10 बजे न वी न महाविद्यालय में पढ़ाई करने के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। देर रात तक इंतजार के बाद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। अगले ही दिन पिता ने रघुनाथनगर थाने में इसकी सूचना दी। परिजनों ने अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करते हुए रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पिता का कहना है कि उन्होंने न केवल थाना तक गुहार लगाई, बल्कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर जाकर बेटी को तलाशने की मांग की, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। उन्होंने अपने आवेदन में कुछ संदिग्धों के नाम का भी उल्लेख किया है। पिता का कहना है कि संदेहियों का नाम सामने लाने के बाद भी पुलिस किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाई है, जिससे वे हताश हैं। इस परिवार के लिए पवित्र रमजान का महीना भी गमगीन रहा। सभी ईद की खुशी मनाने में मशगूल थे, वहीं यह परिवार बेटी की याद में आंसू बहाता रहा। रोजा रखे पिता ने अपनी बेटी की तलाश जारी रखी और भटकते रहे, लेकिन इनकी उम्मीदें अभी अधूरी हैं। पीड़ित पिता अपनी बेटी को सही सलामत खोज निकालने की गुहार लगा रहे हैं।

मामले पुलिस के संज्ञान में आया है। गुमशुदगी का मामला कायम करके पुलिस गायब छात्रा को ढूंढने का पूरा प्रयास कर रही है।

वैभव बेंकर
पुलिस अधीक्षक बलरामपुर

ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में स्कार्पियो चालक 11 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ड्रंक एंड ड्राइव एवं खतरनाक ढंग से वाहन चलाने के मामले में स्कार्पियो चालक को न्यायालय ने 11 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। यातायात शाखा ने शराब का सेवन करके वाहन चलाने के मामले में कार्रवाई की थी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस टीम ने खरसिया नाका में चेकिंग के दौरान स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15बी 9507 को रोका और वाहन चालक से पूछताछ की। स्कार्पियो चालक जीवधन कुमार यादव पिता गुटूराम 36 वर्ष निवासी बकमेर, थाना मणीपुर ब्रेथ ऐनालिजर से चेक करने पर शराब के नशे में धुत्त मिला। शराब के नशे में वाहन चलाते पाए जाने पर वाहन चालक के विरुद्ध धारा 184, 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण में स्कार्पियो वाहन चालक को 11 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया है। चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को निरस्त करने के लिए आरटीओ कार्यालय पत्र प्रेषित किया जा रहा है। कार्रवाई में यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त, प्रधान आरक्षक विमल सिंह, आरक्षक कुंज लाल सोरी सक्रिय रहे।

जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक संपन्न

अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर तथा वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में नशे के विरुद्ध समन्वित कार्ययोजना एवं जिले में नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों के उत्पादन, अवैध व्यापार पर प्रभावी रोक लगाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि मादक पदार्थों के उत्पादन एवं अवैध व्यापार पर अंकुश लगाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निरंतर एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन, परिवहन पर कड़ी नजर रखने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को

नियमित फील्ड भ्रमण कर जांच करने के निर्देश दिए तथा संदिग्ध पाए जाने पर तत्काल सूचना देने को कहा ताकि समय रहते उचित कार्यवाही की जा सके। उन्होंने किसानों को भी मादक पदार्थों की खेती पर जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही कोटवारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स पर भी निगरानी, प्रतिबंधित दवाओं, एक्सपायर दवाओं तथा संचालित क्लीनिकों के लाइसेंस की जांच करने के निर्देश दिए। ताकि प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निरीक्षण करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि किसी भी स्थिति में अवैध या अनुचित दवाओं की बिक्री न हो साथ ही अवैध क्लीनिकों पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी मेडिकल दुकानों का संचालन सुनिश्चित करने की बात कही।

कलेक्टर ने कोटपा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए स्कूलों एवं कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों जैसे आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं छात्रावासों के आसपास संचालित दुकानों का नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से नशे के विरुद्ध आम नागरिकों, युवाओं के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करे ताकि लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित चेकपोस्टों पर वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा की जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर सख्त कार्यवाही करे जिससे मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशीले पदार्थों के परिवहन पर रोक लगाई जा सके।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया श्री अभिषेक गुप्ता सहित सदस्यगण उपस्थित थे।

पुलिया से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत, तीन घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सिलफिली गोंडपारा में स्थित मधुवन के पास बीती रात पुलिया से टकराकर एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बाइक सवार को गंभीर चोट आई है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत कनकपुर निवासी 17 वर्षीय हीरासाय पिता हरि प्रसाद अगरिया रविवार को बिश्रामपुर में मजदूरी कार्य करके पड़ोसी बड़कू के साथ वापस घर लौट आया था। यहां पर युवक पड़ोसी बड़कू के साथ बाइक क्रमांक सीजी 15 एडी 0744 में घर से निकला था, जो पूरी रात वापस घर नहीं लौटा। सोमवार की सुबह पड़ोसी बड़कू ने युवक के पिता को सूचना दिया कि हीरासाय अगरिया सिलफिली-लटोरी मुख्य मार्ग पर मधुवन के समीप पुलिया से टकराकर मृत पड़ा हुआ है। सूचना पर परिजन तत्काल पुलिस को सूचना दे मौके पर पहुंच गए। यहां पर शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया मृतक के परिजन के अनुसार युवक पड़ोसी व अन्य साथियों के साथ लटोरी गया था, जहां से पड़ोसी बड़कू तो घर लौट आया लेकिन चारों युवक वहीं रुक गए थे। इसके पश्चात देर रात चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे, तभी दुर्घटना के शिकार हो गए। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में बाइक सवार हीरा साय की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य सवार युवक करन, सुनील व एक अन्य युवक को गंभीर चोट आने पर जिला अस्पताल सुरजपुर में भर्ती कराया गया है।

रेहर खदान के 32 श्रमिकों को मिला प्रमोशन, नए साल में बढ़ी खुशियों की रोशनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल क्षेत्र से श्रमिकों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। रेहर भूमिगत खदान में वर्षों से मेहनत कर रहे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के चेहरे उस वक्त खिल उठे, जब प्रबंधन ने उनकी लंबी प्रतीक्षा को खत्म करते हुए पदोन्नति का आदेश जारी किया। 22 मार्च को जारी आदेश ने 32 कर्मचारियों के जीवन में नई उम्मीद और सम्मान का संचार कर दिया है। यह निर्णय एनसीडब्ल्यूए-11 की कंडिका 2.11.1 के तहत लिया गया है, जिसके अनुसार लंबे समय से एक ही पद श्रेणी में कार्यरत कर्मचारियों को निर्धारित अवधि के बाद पदोन्नति का लाभ दिया जाता है। रेहर, गायत्री और केतकी सहक्षेत्र में कार्यरत ये कर्मचारी पिछले 7-8 वर्षों से भूमिगत और सरफेस दोनों क्षेत्रों में लगातार सेवाएं दे रहे थे।जारी आदेश के अनुसार सभी कर्मचारियों की पदोन्नति 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी गई है। इसमें ड्रिलर, बीसीएम, सपोर्ट मिस्त्री, जनरल असिस्टेंट, इलेक्ट्रिकल हेल्पर, मैकेनिकल हेल्पर और सर्वे मजदूर जैसे विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मियों को अगली श्रेणी में उन्नयन दिया गया है। जारी सूची में इन कर्मचारियों क्रमश: विजय कुमार, रामनाथ, जीवन लाल, कृपाल सिंह, बसंत लाल, पुनीराम, मुन्शी, कौशल, बजरंग, चन्द्रकेश्वर, टेकराम, लालसाय, सुरेन्द्र सिंह, ईश्वर प्रसाद, तीरथ राम, सुखलाल, अमित यादव, रमेश चन्द्र, नान्हूराम, गौतम, कैलाश, गोपाल सिंह, विजयनाथ, महेंद्र कुमार, सुभाष, राजेश प्रसाद सिंह, रेवल सिंह, शिवप्रसाद, सुरेन्द्र कुमार और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। पदोन्नति की खबर मिलते ही खदान क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। कई श्रमिकों ने कहा कि वर्षों से एक ही पद पर काम करने के बावजूद उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अब यह फैसला उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा। स्थानीय श्रमिक संगठनों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए प्रबंधन का आभार जताया है। उनका कहना है कि इस तरह के फैसले न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि कार्यक्षमता और उत्पादकता में भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

अवैध प्लाटिंग को रोकने जिला स्तरीय समिति का गठन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग नया रायपुर के निर्देशानुसार जिलों में अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिए जिला स्तर पर समिति का गठन किया जाना है।

इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिले में अवैध प्लाटिंग के समुचित कार्यवाही करने के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जिसमें कलेक्टर समिति के अध्यक्ष होंगे। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, सहायक संचालक नगर एवं ग्राम निवेश, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका/ नगर पंचायत एवं समस्त जनपद पंचायत सीईओ सदस्य होंगे। कलेक्टर ने जिला स्तरीय समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित करते हुए अवैध प्लाटिंग के प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

नवीन केन्द्रीय विद्यालय सूरजपुर में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला मुख्यालय में नवीन केन्द्रीय विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। सत्र 2026-27 से प्रारंभ हो रहे नवीन केन्द्रीय विद्यालय, सूरजपुर में प्रवेश प्रक्रिया 20 मार्च से प्रारंभ हो गई है।

कक्षा पहली में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया पूर्णत: ऑनलाइन है। इच्छुक अभिभावक केन्द्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट https:\\admission.kvs.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। कक्षा दूसरी से पाँचवीं तक के प्रवेश के लिए ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है। अभिभावक विद्यालय कार्यालय से प्रात: 9 से 11:30 बजे तक पंजीकरण फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं तथा दोपहर 12 से 2 बजे तक भरा हुआ फॉर्म केन्द्रीय विद्यालय कार्यालय स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय परिसर, गायत्री मंदिर के समीप जमा कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट https:\\kvsangathan.nic.in\en\admission\ अथवा https:\\ambikapur.kvs.ac.in पर जाएं। अधिक जानकारी के लिए 07774-232506 पर या ईमेल amblibapurkv@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।

चैती छठ की भक्ति में डूबा कोयलांचल, घाटों पर पहुंचे श्रद्धालु

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व चैती छठ की पावन शुरुआत 22 मार्च रविवार को नहाय-खाय के साथ हो चुकी है। इस पर्व के प्रथम दिन से ही पूरे कोयलांचल समेत आसपास के क्षेत्रों में भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। घर-घर में शुद्धता और सात्विकता का विशेष ध्यान रखते हुए व्रतियों ने पवित्र स्नान कर कद्दू-भात का प्रसाद ग्रहण किया और चार दिवसीय कठिन व्रत का संकल्प लिया।

चैती छठ जो साल में दो बार मनाए जाने वाले छठ पर्व का एक महत्वपूर्ण रूप है, प्रकृति और सूर्य देव की उपासना का प्रतीक है। इस पर्व में व्रती महिलाएं और पुरुष 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतानों की लंबी उम्र और समाज की खुशहाली की कामना करते हैं। 23 मार्च सोमवार के खरना का भी विशेष महत्व है। इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को गुड़-चावल की खीर और रोटी का प्रसाद बनाकर भगवान को अर्पित करते हुए इसे ग्रहण कर निर्जला व्रत की शुरुआत किए। खरना के बाद व्रत और भी कठोर हो जाता है, जिसमें व्रती अगले 36 घंटे तक अन्न-जल का त्याग करते हैं। 24 मार्च मंगलवार को संध्या अर्घ्य और 25 मार्च बुधवार को उषा अर्घ्य के साथ यह महापर्व संपन्न होगा। श्रद्धालु सुबह-शाम घाटों पर पहुंचकर पूजा की तैयारियों में जुटे हुए हैं। ज्ञात हो कि

चैती छठ न केवल धार्मिक आस्था का पर्व है, बल्कि यह भारतीय लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

पीवीटीजी महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर करें लाभान्वित : कलेक्टर

★ समय-सीमा की बैठक संपन्न ★ प्रधानमंत्री आवास योजना की हुई गहन समीक्षा

★ प्राथमिकता से राजस्व प्रकरणों के निराकरण करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास, राजस्व प्रकरण, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य, पेयजल की उपलब्धता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े राजस्व प्रकरणों, हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। कलेक्टर ने एग्री स्टेक में जिले के सभी पात्र किसानों को शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम जनमन आवासों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत, पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने

लंबित आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने पीएम जनमन अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों की भी जानकारी लेकर प्रगति लाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कलेक्टर ने विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने एवं उन्हें आजीविका गतिविधियों से लाभान्वित करने की बात कही उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संस्थागत प्रसव, एएनसी पंजीयन, आरसीएच पोर्टल में प्रविष्टि की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मोबाइल मेडिकल यूनिट के नियमित संचालन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना एवं वय वंदन योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सके।

जल जीवन मिशन के तहत कार्यों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री कटारा ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी समस्याओं का चिन्हांकन कर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। ताकि ग्रीष्मकालीन में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और लोगों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत स्तर पर आमजनों को बाल विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी दे और इस प्रकार की घटनाओं की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री अभिषेक गुप्ता सहित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लटोरी में जनजातीय सुरक्षा मंच की कार्यशाला, 24 मई को दिल्ली में महारैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जनजातीय समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर लटोरी में जनजातीय सुरक्षा मंच द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देशभर में चल रहे डीलिस्टिंग अभियान को गति देने के साथ ही 24 मई को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित आह्वान किया गया। कार्यशाला में मंच के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि डीलिस्टिंग की मांग को लेकर देशभर से करीब 10 लाख जनजातीय समाज के लोग दिल्ली पहुंचकर महागर्जना रैली करेंगे। इसी उद्देश्य से लटोरी में आयोजित बैठक के दौरान सभी गांवों में ग्राम समितियों के गठन, जनसंपर्क अभियान तेज करने और दिल्ली रैली के लिए अधिकाधिक लोगों का पंजीयन कराने का निर्णय लिया गया। जिला संयोजक संत सिंह ने बताया कि जनजातीय समाज लंबे समय से यह मांग करता आ रहा है कि जो लोग अपनी पारंपरिक जनजातीय आस्था को छोड़कर अन्य धर्म अपना

चुके हैं, उन्हें अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर किया जाए। इसी प्रक्रिया को डीलिस्टिंग कहा जाता है। उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर देशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं से प्रस्ताव पारित कराने और प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजने का अभियान भी चल रहा है। देशभर में एक करोड़ पोस्टकार्ड भेजने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक लगभग 5 लाख पोस्टकार्ड भेजे जा चुके हैं। सुरजपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह ने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान, परंपरा और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुटता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक मांग नहीं, बल्कि जनजातीय अस्मिता को सुरक्षित रखने का प्रयास है। उन्होंने सभी ग्राम स्तर पर सक्रिय भागीदारी निभाने और दिल्ली महारैली में अधिकाधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वहीं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि डीलिस्टिंग की मांग जनजातीय समाज के अधिकारों से जुड़ा एक गंभीर विषय है। गांव-गांव में समितियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है और हर स्तर पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 342 में संशोधन कर धर्मांतरण कर चुके आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक जनजातीय समाज को आरक्षण का पूरा लाभ मिल सके।

कार्यशाला में जिला संयोजक संत सिंह, संगठन मंत्री गोपाल राम, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़ सहित अन्य जनजातीय सुरक्षा मंच के सदस्य उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा सम्पन्न, 22 हजार 380 शिक्षार्थी हुए शामिल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आकलन परीक्षा का आयोजन कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में 22 मार्च 2026 को जिले में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं तथा मॉनिटरिंग व्यवस्था के तहत सतत निगरानी सुनिश्चित की गई। जिले में कुल 591 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां पंजीकृत 27 हजार 972 शिक्षार्थियों में से 22 हजार 380 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। राज्यव्यापी

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आकलन परीक्षा के अंतर्गत जिले के समस्त विकासखण्डों में परीक्षा केन्द्र बनाएं गए थे। विकासखण्ड बलरामपुर में 86 परीक्षा केंद्र बनाए गए। जिसमें 3 हजार 268 शिक्षार्थी शामिल हुए। इसी प्रकार विकासखण्ड कुसमी में 98 परीक्षा केन्द्र बनाएं गए जिसमें 4 हजार 11, विकासखंड राजपुर में 95 परीक्षा केंद्रों में 3 हजार 587, विकासखंड रामचन्द्रपुर में 134 परीक्षा केंद्रों में 3 हजार 480, विकासखंड शंकरगढ़ में 77 परीक्षा केन्द्रों में 3 हजार 631 तथा विकासखण्ड वाड्रफनगर में 101 परीक्षा केन्द्रों में 4 हजार 403 शिक्षार्थी शामिल हुए।

सवरा समाज का दो दिवसीय जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। छत्तीसगढ़ सवरा समाज का जिला स्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन ग्राम पंचायत तमता के घुटरा पारा मोहल्ला में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्रीमती गोमती साय, विधायक पथलगांव और उपाध्यक्ष सरगुजा विकास प्राधिकरण, उपस्थित रही। सम्मेलन में सवरा समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमलाल सिदार ने स्वागत उद्बोधन दिया और समाज के इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सवरा समाज को 2005 से मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष, सांसद और विधायक के रूप में समाज का सहयोग कर रही है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्रीमती गोमती साय ने सवरा समाज के इस जिला इकाई सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए समाज को धन्यवाद दिया और समाज की मांग पर ग्राम पंचायत तमता सवरा समाज के सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। सम्मेलन में समाज के सेवा निवृत अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और समाज के जाति प्रमाण पत्र संघर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

इस बार लैलूंगा में अफीम की खेती, 50 डिसमिल में लहलहा रही थी अफीम की फसल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। एक बार फिर रायगढ़ जिले में अफीम की खेती पकड़ाई है। कुछ ही दिन पहले इसी जिले में अफीम की खेती का मामला सामने आया था। इस बार लैलूंगा इलाके में 50 डिसमिल में अफीम की खेती का भांडाफोड़ हुआ है। अफीम की अवैध खेती लैलूंगा थाना क्षेत्र में 50 डिसमिल में की जा रही थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। जिले में बीते दो दिन में यह दूसरा मामला है। 17 दिनों में अफीम की खेती का ये पांचवा मामला है। पुलिस ने अफीम की खेती का खुलाता करते हुए बताया कि जगतराम नाग और मनोज नाग को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया है। साधराम नाग फरार है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पत्थलगांव के एक व्यापारी से बीज लाकर अफीम की खेती कर रहे थे। इससे पहले तमनार ब्लॉक के आमाघाट क्षेत्र में अफीम की खेती का मामला सामने आया था। झारखंड का रहने वाला मार्शल सांगा यहां बीते 10-12 साल से खेती कर रहा था। सांगा ने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के बहाने खेत लिया था और अफीम की खेती कर रहा था। आरोपी मार्शल सांगा झारखंड से आकर अपने ससुराल रायगढ़ के तमनार में रह रहा था। बीते 10-12 साल से यहां खेती कर रहा था। झारखंड में अफीम की खेती उसके साथी कर रहे हैं और उसी को देख कर उसने यहां खेती करना शुरू किया।

गीता का नवम अध्याय: भक्ति और विश्वास का मार्ग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। महामना मालवीय मिशन, सरगुजा में आयोजित आध्यात्मिक संवाद एवं गीता पाठ कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता के नवम अध्याय राजविद्या-राजगु योग२ की महत्ता और प्रासंगिकता पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह अध्याय जीवन के संकटों, द्वंद्वों और नैतिक प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करता है। भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को सिखाते हैं कि ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग जटिल अनुष्ठानों या कठोर तपस्या से नहीं, बल्कि निष्कपट, निस्स्वार्थ और सरल भक्ति से प्रशस्त होता है। इस अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण अपने स्वरूप और सत्ता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि संपूर्ण ब्रह्मांड में वे निराकार रूप से व्याप्त हैं। सभी प्राणी उनमें स्थित हैं, किंतु वे स्वयं उनसे परे और अलिप्त रहते हैं। वक्ताओं ने कहा कि यह अध्याय आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब मनुष्य भौतिक उपलब्धियों और तकनीकी प्रगति के बावजूद मानसिक तनाव, असंतोष और नैतिक संकटों से जूझ रहा है। यह अध्याय मनुष्य को आंतरिक विश्वास और संतुलन प्रदान करता है।

आधुनिक समय में भारत बोध विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, अम्बिकापुर के शिक्षण विभाग में आधुनिक समय में भारत बोध विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. राजेंद्र लाकपाले ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भारत की प्राचीन एवं निरंतर विकसित हो रही वैज्ञानिक परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से भारत की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत को गंभीरता से समझने एवं आत्मसात करने का आवाहन किया। इस अवसर पर पूर्व आईजी एवं प्रज्ञा प्रवाह की प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य सुशील द्विवेदी ने छात्रों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत से अवगत कराया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह विनय दीक्षित ने अपने उद्बोधन में भारत की विभिन्न अवधारणाओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि ब्बजो भाव से रत है, वही भारत है ब्ब उन्होंने भारत को भावों एवं संबंधों का देश बताते हुए कहा कि भारत सदैव सत्य का साधक रहा है। दीक्षित ने धर्म की व्याख्या करते हुए राजा शिवि की कथा के माध्यम से कर्तव्य पालन को ही वास्तविक धर्म बताया। उन्होंने ब्बवसुधैव कुटुम्बकम्ब्ब को भारत का मूल मंत्र बताते हुए कोविड-19 काल में भारत द्वारा विश्व को वैक्सीन उपलब्ध कराए जाने को इसका जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से भारत बोध को आत्मसात करने तथा उत्तम पुस्तकों के अध्ययन की आदत विकसित करने का आग्रह किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों से सत्य एवं असत्य में अंतर समझने की प्रज्ञा विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय महापुरुषों का मूल्यांकन पश्चिमी दृष्टिकोण से नहीं किया जाना चाहिए।कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच संचालन डॉ. समन नारायण उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

शेयर मार्केट में मुनाफा का झांसा देकर डेंटिस्ट से 38.50 लाख की ठगी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। एक डेंटिस्ट से 37.50 लाख की ठगी हो गई। डॉक्टर ने इसकी शिकायत राजेंद्र नगर थाने में दर्ज कराई है। पीड़ित की शिकायत पर आईटी 66 डी, बीएनएस 318-4 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। ठगी का शिकार हुए डॉक्टर का नाम गुलाब चंद बैद्य 42 वर्ष है। पचपेड़ी नाका अम्रपाली सोसाइटी निवासी डेंटिस्ट डॉ. गुलाबचंद बैद्य की शिकायत के मुताबिक, वीआईपी 23 स्टॉक मार्केट स्ट्रेटजी नाम के हँ३२अस्त्रस्त्र ग्रुप पर जोड़ा गया था। इस ग्रुप में उन्हें शेयर मार्केट में पैसा लगाकर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया जाता था। इसी बीच एक ठग ने 8956771148 से संपर्क कर डॉक्टर को रूपए लगाने को कहा, इतना ही नहीं आरोपी ने भारोसा दिया कि अगर मार्केट में फायदा नहीं हुआ तो उन्हें रकम वापस कर दी जाएगी। आरोपी ने विश्वास दिलाया कि 'ऋअफछए छछउ' ऐप के माध्यम से निवेश करने पर भारी मुनाफा होगा। झांसे में आकर डॉक्टर ने जब रूपए निवेश किया तो आरोपी ठग ने दो किस्तों में मुनाफा के नाम पर 1 लाख वापस भेजे। लाभ मिलने पर आरोपी के झांसे में डॉक्टर पूरी तरह आ गए। इसके बाद डॉक्टर ने मोटा मुनाफा कमाने के लालच में आरोपी के अलग-अलग खातों में करीब 38.50 लाख रूपए निवेश किए। रूपए निवेश करने के बाद जब मुनाफा नहीं मिला तो डॉक्टर ने ठग से संपर्क किया, लेकिन ठग ने कोई जवाब नहीं दिया और नंबर भी बंद कर लिया। आरोपी की हरकतों से डॉक्टर को खुद के साथ ठगी होने का अहसास हुआ, उन्होंने इसकी शिकायत राजेंद्र नगर थाने में दर्ज कराई। राजेंद्र नगर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी के द्वारा दिए नंबरों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

सड़क चौड़ीकरण के विरोध मे उतरे स्थानीय लोगो के साथ कांग्रेस, भीम आर्मी और छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के समर्थक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। गुढ़ियारी इलाके में सड़क चौड़ीकरण को लेकर विरोध तेज हो गया है। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों के साथ कांग्रेस, भीम आर्मी और छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के समर्थक बड़ी संख्या में सड़क पर उतर आए और प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रशासन की ओर से सड़क चौड़ीकरण के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि स्थिति नियंत्रण में बनी रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले 40-50 वर्षों से यहां व्यापार कर रहे हैं और उन्हें पहले ही मुआवजा दिया जा चुका है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रशासन तय सीमा से अधिक हिस्से को तोड़ रहा है। एक दुकानदार ने कहा, हमारी दुकान ही हमारी रोजी-रोटी का सहारा है। अगर इसे पूरी तरह तोड़ दिया गया, तो परिवार कैसे चलेगा? कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार मेनन ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में गरीबों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी चौक, मंगल बाजार और शुक्रवारी बाजार की दुकानों पर जरूरत से ज्यादा कार्रवाई की जा रही है और इसका विरोध जारी रहेगा। वहीं नायब तहसीलदार प्रवीण परमान ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभावित दुकानदारों को मुआवजा पहले ही दिया जा चुका है और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की गई हैं। विरोध प्रदर्शन के चलते गुढ़ियारी क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई है। फिलहाल, प्रशासन अपनी कार्रवाई जारी रखने पर अडिग है, जबकि स्थानीय लोग और संगठन विरोध जारी रखने की बात कह रहे हैं।

प्रांतीय रजवार समाज की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रांतीय रजवार समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रांतीय समाजिक बैठक प्रांतीय कार्यालय गंगापुर बिशुनपुर नमनाकला अंबिकापुर में किया गया।समाजिक बैठक में विभिन्न समाजिक प्रकरणों पर तथा कोरिया जिले को छोड़कर अन्य सभी जिलों के समाजिक चुनाव पुनर्गठन संबंधित रुपरेखा तैयार किया गया। इस दौरान ईश्वर राजवाड़े जिला संचालक कोरिया, रामकुमार राजवाड़े जिला निरीक्षक कोरिया, हरि प्रसाद प्रसाद राजवाड़े जिला कोषाध्यक्ष कोरिया, अवधेश प्रताप राजवाड़े जिला सचिव कोरिया, हरिचंद राजवाड़े जी क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष सोनहत, बीरबल राम राजवाड़े प्रांतीय निरीक्षक, गणेश कुमार राजवाडे. प्रांतीय सदस्य, कृष्ण कुमार राजवाड़े पूर्व जिला उपाध्यक्ष कोरिया, अमर साय राजवाड़े व अन्य जिले के भी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस की अनोखी पहल

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली पुलिस की अपराध पर नियंत्रण के लिए अनोखी पहल.सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिषु आईपीएस संचित शर्मा के मार्ग दर्शन में उप निरीक्षक सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने सफीपुर में गौकसी के अपराध में लिप्त रहे अपराधियों को तलब कर किया सत्यापन और चेतावनी दी कि गौकसी जैसे जघन्य अपराध में संलिप्तता मिली तो पुलिस सबक सिखाना भी जानती है उल्लेखनीय है सफीपुर कोतवाली का प्रभार मिलते है सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने क्षेत्र सूची बद्ध अपराधियों को तलब कर उन्हे कड़े निर्देश दिए कि क्षेत्र में यदि कोई सुसंगठित अपराध हुआ तो उसके जिम्मेदार सभी हिस्ट्रीशीटर ठहराए जाएंगे इसलिए या तो अपराध छोड़िए या क्षेत्र यही नही उन सभी को कोतवाली आकर सत्यापन कराने के निर्देश दिया था

पति-पत्नी के 17 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर एक साथ रहने को हुए राजी

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केन्द्र एवं थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया, परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त परिवार परामर्श केन्द्र से 03, थाना बारासगवर से 02, थाना औरास से 02, थाना हसनगंज से 02, थाना अचलगंज से 02, थाना कोतवाली सदर से 02, थाना पुरवा से 01, थाना दही से 01, थाना सोहरामऊ से 01, थाना सफीपुर से 01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया।

अफीम खेती मामले में फरार एक आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। जिले के तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट में अवैध अफीम खेती के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने झारखंड में दबिश देकर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पहले ही कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आमाघाट क्षेत्र के खरार्घाट भैर नाला किनारे स्थित खेत से 60,326 अफीम पौधे बरामद किए थे, जिनका कुल वजन करीब 2877 किलोग्राम पाया गया। इसके साथ ही 3.02 किलोग्राम अफीम (करीब 15 लाख रुपये मूल्य) भी जब्त की गई थी। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी मार्शल संगा अपने सहयोगियों एमानुएल भेंगरा और सीप्रियन भेंगरा के साथ मिलकर अवैध खेती कर रहा था। मुख्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमों को ओडिशा और झारखंड भेजा गया था। लगातार पीछा करते हुए टीम आरोपियों के गांव तक पहुंची, लेकिन पुलिस की भनक लगते ही आरोपी पहाड़ी और जंगल क्षेत्र में छिप गए। स्थानीय पुलिस की मदद से चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान एमानुएल भेंगरा को जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उसके पास से मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। मामले में दूसरा आरोपी सीप्रियन भेंगरा अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में आगे की जांच जारी है और अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

नवरात्र,माता भगवती की आराधना का श्रेष्ठ समय क्यों है जानिए-ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

हमीरपुर. नवरात्र का पर्व एक ऐसा पर्व जो हमारी संस्कृति में महिलाओं के गरिमामय स्थान को दशार्ता है। नारी मूलतः शक्ति है. वह असीम ऊर्जा है, जिसके बिना संरचना, पोषण, रक्षा और आनंद की कल्पना नहीं की जा सकती. नवरात्र में हम उसी नारी शक्ति को पूजते हैं. भारतीय दर्शन ने मां दुर्गा के माध्यम से नारी-शक्ति को महत्व दिया है। इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है. मार्कंडेय पुराण के अनुसार, दुर्गा सप्तशती में स्वयं भगवती ने इस समय शक्ति-पूजा को महापूजा बताया है। देवी दुर्गा की स्तुति, सुमधुर घंटियों की आवाज, धूप-बत्तियों की सुगंध झ्र यह नौ दिनों तक चलने वाले साधना पर्व नवरात्र का चित्रण है. हमारी संस्कृति में नवरात्र पर्व की साधना का विशेष महत्व है. नवरात्र पूजा पर्व वर्ष में दो बार आता है, एक चैत्र माह में, दूसरा आश्विन माह में। नवरात्र में ईश-साधना और अध्यात्म का अद्भुत संगम होता है.चैत्र माह की नवरात्र में रामलीला, रामचरितमानस पाठ, अखंड कीर्तन जैसे सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान होते हैं. यही वजह है कि नवरात्र के दौरान प्रत्येक इंसान एक नए उत्साह और उमंग से भरा दिखाई पडता है। वैसे तो ईश्वर का आशीर्वाद हम पर सदा बना रहता है, किन्तु कुछ विशेष अवसरों पर उनके प्रेम, कृपा का लाभ हमें अधिक मिलता है। पावन पर्व नवरात्र में देवी दुर्गा की कृपा, सृष्टि की सभी रचनाओं पर समान रूप से बरसती है। इसके परिणामस्वरूप ही मनुष्यों को लोक मंगल के क्रिया-कलापों में आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है। नवरात्र को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहले भाग में नवरात्र में की जाने वाली देवी की साधना और उपासना को रखा जा सकता है। दूसरे भाग में व्रत और उपवास की प्रक्रिया रखी जा सकती है। ऐसा माना जाता है कि परमानंद की प्राप्ति तभी संभव है, जब दोनों भागों की प्रक्रियाओं का विधिवत पालन किया जाए। नवरात्रके नौ दिनों में स्वयं के बुरे विचार, क्रोध, छल-कपट, ईर्ष्या आदि जैसे बुरे गुणों पर नियंत्रण किया जाता है। यदि आप इन नौ दिनों में मानव कल्याण में रत रहते हैं, तो अनुष्ठान का महत्व और अधिक बढ जाता है। नवरात्र की नौ देवियां,नवरात्र के इन नौ दिनों में देवी के नौ अलग-अलग स्वरूपों की आराधना होती है. सच यही है कि शक्ति या ऊर्जा में यही क्षमता होती है कि वह स्वयं को अवसर के अनुकूल भिन्न-भिन्न रूपों में व्यक्त कर सके. मां जननी है। हम सबकी ही नहीं, बल्कि राम और कृष्ण तक की जननी है। वह स्वयं को जिन अलग-अलग रूपों में अभिव्यक्त करती है, उसकी शुरूआत होती है दुर्गा के रूप में. मान्यता है कि मां दुर्गा ने लगातार नौ दिन और नौ रात तक युद्ध करके महिषासुर का वध किया था। यह उसके रक्षक का रूप है, लेकिन सौम्य रूप, जिन्हें हम आगे रक्षक के रौद्र रूप में भी पाते हैं. शक्ति के इस रूप को नाम दिया गया काली का इस रूप को हम दूसरे दिन पूजते हैं. तीसरे दिन यह मां ऐसे रूप में पूजी जाती है, जिसने संपूर्ण सृष्टि का सृजन किया है. तभी तो इन्हें जगदंबा कहा गया. चौथे दिन जगदंबा अन्नपूर्णा का रूप ले लेती हैं, ताकि अपने सृजित जगत का पेट भर सकें. उसे अन्न उपलब्ध करा सकें. इसके बाद यह नारी-शक्ति हमारे सामने सर्वमंगल, भैरवी, चंडिका, ललिता और भवानी के जिन रूपों में प्रकट होती हैं, उसका मूल उद्देश्य जगत का कल्याण करना होता है। नवरात्र में हम शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना करते हैं.

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा हॉर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजराइल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए होर्मुज स्टेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

संकट

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की पदचाप है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकता है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद्य सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार होर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद्य सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।

सतर्कता के बावजूद रसोई गैस बनी बड़ा मुद्दा !

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

रसोई गैस की आपूर्ति उतनी बाधित नहीं है, जितना यह प्रचारित किया जा रहा है कि देश में एलपीजी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने कई बार भरोसा दिलाया है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के साथ-साथ अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि किसी भी नागरिक को घरेलू गैस के कारण परेशानी न हो। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर गैस को लेकर बढ़ती दिक्कतों का असर साफ दिखाई दे रहा है। कालाबाजारी करने वाले आपदा में अवसर तलाश रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर दबाव बनाने से नहीं चूक रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि मध्य-पूर्व का यह संघर्ष और गहराता है तो ईंधन संकट भी बढ़ सकता है। उधर, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अब ईंधन युद्ध का रूप लेता नजर आ रहा है।दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, केरल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में ईंधन का मुद्दा विपक्ष के लिए बड़ा चुनावी हथियार बन सकता है। भारत में ऊर्जा संकट, खासकर घरेलू गैस (एलपीजी) की बढ़ती कीमतें और आपूर्ति संबंधी समस्याएं अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं रहीं, बल्कि राजनीतिक विषय बनती जा रही हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों पर इसका सीधा असर मतदाताओं के व्यवहार और चुनावी रणनीतियों पर पड़ सकता है।आम आदमी घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों और आंशिक अनुपलब्धता से परेशान है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए रसोई गैस एक महंगा संसाधन बनती जा रही है। कई जगह लोग फिर से पारंपरिक ईंधनों यानी लकड़ी, कोयला और केरोसिन की ओर लौटने को मजबूर हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के सामने पर्याप्त, सुलभ और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वैसे देश भर में पेट्रोल या डीजल की कीमतें बढ़ने से भी लोग परेशान दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल पहले से ही महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। ऐसे में रसोई गैस का मुद्दा भी चुनावी मंच पर प्रमुखता से उठाया जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर इस पर लगातार बहस हो रही है। कुछ राज्यों में ईरान–इजरायल–अमेरिका के तनाव के संदर्भ में ईंधन की संभावित कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर दिखने लगा है। उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन मिलने के बावजूद, रिफिल की बढ़ती कीमतों के कारण उपयोग घट रहा है।

इससे योजनाओं की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष इसे 'घोषणा बनाम वास्तविकता' के रूप में पेश कर रहा है, जो चुनावी दृष्टि से सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं यह भी संभावना है कि केंद्र और राज्य सरकारें एलपीजी पर सब्सिडी, उज्ज्वला लाभार्थियों को राहत और कीमतों को नियंत्रित करने जैसे कदमों के जरिए मतदाताओं को साधने की कोशिश करें। चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है। शहरी मतदाता पहले से ही बिजली, पानी और रोजगार जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। ऐसे में घरेलू गैस की कीमतें भी उनके लिए अहम मुद्दा बन गई हैं। गैस की कमी की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क है, लेकिन अलग-अलग राज्यों की परिस्थितियों के अनुसार इसका प्रभाव भिन्न हो सकता है।यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिस पर केंद्र सरकार का सीधा नियंत्रण नहीं है।

फिर भी आम जनता इसे घरेलू नीतियों से जोड़कर देखती है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह घरेलू जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों के बीच संतुलन कैसे बनाए। साफ है कि रसोई गैस का मुद्दा आने वाले विधानसभा चुनावों में एक संवेदनशील और निर्णायक बन सकता है।

चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है।

आकांक्षाओं के लिए एक नया खाका: आधुनिक शिक्षा ही अंतिम विकल्प क्यों है

सैय्यद जाहिद अली रियासत

हर साल, जब वल्लङ्क्ल्ल ढ४ुङ्ख रीt५ृी उङ्केर२२ङ्क्ल्ल सिविल सेवा परीक्षा के अंतिम परिणाम घोषित किए जाते हैं, तो पूरे देश में प्रत्याशा की एक स्पष्ट लहर दौड़ जाती है। भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए, हाल की सफल उम्मीदवारों की सूचियों ने एक बढ़ती हुई उत्साहजनक और परिवर्तनकारी राह प्रस्तुत की है।इस समुदाय के युवा पुरुषों और महिलाओं को दुनिया की सबसे कठिन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक में स्थान प्राप्त करते देखना केवल क्षणिक उत्सव का विषय नहीं है।यह दृढ़ता का प्रमाण है, अदृश्य काँच की छतों को तोड़ने का प्रतीक है, और सबसे महत्वपूर्ण बात, इक्कीसवीं सदी में समुदाय को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, इसका एक स्पष्ट संकेत है। दशकों से, भारतीय मुस्लिम समुदाय के बारे में कथा को असमान रूप से सामाजिक-आर्थिक हाशियाकरण, राजनीतिक अल्प-प्रतिनिधित्व, और शैक्षिक पिछड़ेपन को उजागर करने वाली रिपोर्टों की स्थायी छाया द्वारा परिभाषित किया गया है। हालांकि, सिविल सेवाओं में मुस्लिम उम्मीदवारों की निरंतर और बढ़ती सफलता एक शक्तिशाली वैकल्पिक प्रस्तुत करती है।यह साबित करता है कि चुनौतियों के बावजूद, भारतीय लोकतंत्र की संरचना अभी भी योग्यता, कड़ी मेहनत, और रणनीतिक तैयारी के आगे झुकती है। ये युवा प्रशासक, जो जल्द ही नीति और सत्ता के गलियारों में प्रवेश करेंगे, यह साबित कर रहे हैं कि समुदाय के लिए भविष्य सुरक्षित करने का सबसे प्रभावी तरीका राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेना है। इस आकांक्षा और ठोस उपलब्धि के बीच का पुल, सरल शब्दों में, आधुनिक शिक्षा है।जब हम इन सिविल सेवकों का उत्सव मनाते हैं, तो हमें उनकी सफलता की संरचना को भी समझना चाहिए। उनकी जीत किसी चमत्कार का परिणाम नहीं है। वे कठोर, समकालीन, और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा का परिणाम हैं।वे इतिहास, भूगोल, विज्ञान, अर्थशास्त्र, और नैतिकता के साथ गहरे जुड़ाव के परिणाम हैं। यह सफलता इस बात के लिए एक स्पष्ट आह्वान है कि समुदाय शिक्षा को कैसे देखता है और उसमें निवेश कैसे करता है, इसमें एक मौलिक बदलाव होना चाहिए। जबकि पारंपरिक और धार्मिक शिक्षा सांस्कृतिक पहचान और नैतिक आधार को बनाए रखने में अपनी उचित भूमिका निभाती है, आधुनिक, प्रतिस्पर्धी शिक्षा आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए उपकरण प्रदान करती है। अक्सर कुछ वर्गों में आधुनिक, आलोचनात्मक शिक्षा को अपनाने को लेकर एक अनकही और स्पष्ट रूप से गलत झिझक होती है, यह डर कि इससे सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण हो सकता है। फिर भी, इस्लाम धर्म की पहली शिक्षा ही ज्ञान प्राप्त करना है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों में विज्ञान, गणित, और दर्शन में ज्ञान का विकास हुआ, वे समाज समृद्ध हुए।इसलिए, बौद्धिक विकास वहीं होता है जहां समुदाय युवा पीढ़ी के लिए एक उपजाऊ वातावरण बनाने के लिए तैयार होता है। आधुनिक युग शिक्षा और प्रतिस्पर्धा का युग है। यह एक ऐसी पहचान की सबसे ऊँची और आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति है जो स्वयं अपनी बात कहती है।एक ऐसा समुदाय जो विचारकों, नवप्रवर्तकों, डॉक्टरों, और सिविल सेवकों को पैदा करता है, वह सम्मान प्राप्त करता है और राजनीतिक कृपा की प्रतीक्षा करने के बजाय अपनी नियति स्वयं तय करता है।इन व्यक्तिगत सफलता की कहानियों को अपवाद के बजाय सामान्य बनाने के लिए, एक प्रणालीगत आंतरिक क्रांति की आवश्यकता है।इसके लिए समुदाय के संसाधनों और परोपकार को पुनर्निर्देशित करने की मांग है।जबकि दान अक्सर तत्काल राहत या धार्मिक बुनियादी ढांचे के निर्माण की ओर प्रवाहित होता है, अब इन निधियों को उच्च गुणवत्ता वाली आधुनिक शैक्षिक संस्थाओं के निर्माण की ओर मोड़ने की तत्काल आवश्यकता है।हमें समुदाय-समर्थित छात्रवृत्तियाँ, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए विश्व-स्तरीय कोचिंग केंद्र, और मध्य विद्यालय स्तर से शुरू होने वाली करियर परामर्श पहल की आवश्यकता है। अल्पसंख्यकों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई आवासीय कोचिंग अकादमियों की सफलता पहले ही दिखा चुकी है कि केंद्रित, संस्थागत समर्थन क्या हासिल कर सकता है। इस मॉडल को पूरे देश में दोहराया और विस्तारित किया जाना चाहिए।हमारी भोजन-तालिका पर होने वाली बातचीत को हाशियाकरण की चचाओं से आगे बढ़कर महत्वाकांक्षा, उत्कृष्टता, और बौद्धिक जिज्ञासा के संवादों में विकसित होने की आवश्यकता है। माता-पिता को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए जहाँ दैनिक समाचार पत्र पढ़ना, समसामयिक मामलों पर चर्चा करना, और दुनिया से सवाल करना सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाए।इन क्षेत्रों में मुस्लिम महिलाओं द्वारा उठाए गए उल्लेखनीय कदमों को पहचानना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।हाल के वर्षों में सबसे प्रेरणादायक सिविल सेवा सफलता की कहानियों में से कुछ युवा मुस्लिम महिलाओं की हैं, जिन्होंने पितृसत्तात्मक अपेक्षाओं और सामाजिक रूढ़ियों दोनों को तोड़ दिया है। अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा तक बिना किसी समझौते के पहुँच प्रदान करना शायद समुदाय द्वारा उठाया जाने वाला सबसे क्रांतिकारी कदम है। एक सिविल सेवा अभ्यर्थी की यात्रा असफलताओं, तीव्र प्रतिस्पर्धा, और आत्म-संदेह से भरी होती है।जो सफल होते हैं, वे अपनी सीमाओं से खुद को परिभाषित नहीं होने देते। वे समझते हैं कि तेजी से विकसित हो रही, प्रौद्योगिकी-प्रेरित दुनिया में ज्ञान ही एकमात्र वास्तविक मुद्रा है। उनकी सफलताएँ एक प्रकाशस्तंभ हैं, जो हाशिये से मुख्यधारा की ओर जाने वाले मार्ग को प्रकाशित करती हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

दृष्टिकोण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है। हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।

सीमा पार से बुना गया बाबा चंद्रशेखर की मौत का ताना-बाना, उठे सवाल

मथुरा में बाबा की हत्या पर आक्रोश बढ़ा

एजेंसी ▶▶ मथुरा

ईद पर तड़के गो तस्करों की तलाश में निकले गो भक्त बाबा की मौत के बाद बवाल नहीं होता, लेकिन राजनीति और सीमा पार से आए कुछ लोगों ने बवाल को बढ़ाने में हवा दी। जांच में सामने आया है कि हरियाणा और अलवर के कुछ लोग घटनास्थल पर लोगों को उकसाया। अधिकारियों के समझाने पर लोग समर्थक जाम खोलने पर सहमत हो गए थे, लेकिन चंद स्थानीय लोगों ने राजनीति चमकाने के लिए लोगों को उकसा कर जाम नहीं खुलने दिया। जांच में सामने आया है कि इसी दरमियान अलवर और हरियाणा से कथित गोसेवक वहां पहुंच गए थे।

सख्त कार्रवाई करेगी पुलिस

उन्होंने पुलिस को लाठियां फटकराने का आदेश दिया तब पुलिसकर्मियों ने हंगामा करने वालों को खदेड़ा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह का कहना है कि कोसी में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। हादसा खराब मौसम और कोहरे के कारण हुआ। कुछ लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। जांच के बाद ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जांच में खुलासा: मामले को हवा देने में लगे थे बाहरी

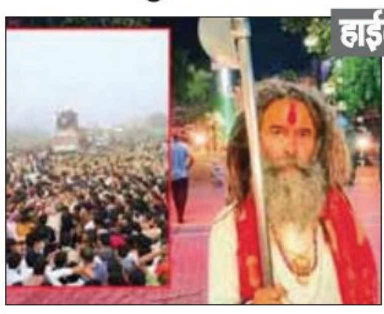

हाईवे किनारे लावारिस मिलीं कई बाइकें

बाबा की मृत्यु के बाद उपजे जनाक्रोश ने शनिवार को हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प और पथराव के बाद पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें हाईवे किनारे लावारिस हालत में मिलीं बाइकों को जब्त कर लिया। वाहनों को छाता कोतवाली परिसर में खड़ा करवा दिया है। पुलिस अब इन वाहनों के नंबरों के आधार पर उनके मालिकों की पहचान कर रही है।

दो प्राथमिकी होंगी दर्ज शिनाख्त शुरू

बवाल के मामले में देर रात तक पुलिस उन प्रदर्शनकारियों को चिह्नित किया, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया। बाबा की सड़क हादसे में मौत की प्राथमिकी ट्रक चालक के विरुद्ध दर्ज की जाएगी। दूसरी प्राथमिकी हाईवे पर बवाल करने वालों के विरुद्ध पुलिस की ओर से दर्ज करेगी। इसके लिए पुलिस हंगामे के दौरान पथराव व गाड़ियों में तोड़फोड़ करने वालों को चिह्नित कर रही है।

24 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

हंगामे और पथराव के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपना लिया है। घेराबंदी के आधार पर पत्थरबाजी में शामिल कई लोगों को चिह्नित कर हिरासत में ले लिया है। गोसेवक दक्ष चौधरी समेत 24लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने और अफवाह फैलाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सभी को थाने लेकर पहुंचे। एसएसपी श्लोक कुमार ने लोगों ने अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाली पोस्ट शेयर न करें।

फरसा वाले बाबा के हत्यारों को बीच चौराहे फांसी दी जाए: बागेश्वर बाबा

छतरपुर। फरसा वाले बाबा उर्फ चंद्रशेखर की कुचलकर हत्या के मामले ने अब सियासी और धार्मिक

मोड़ ले लिया है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दोषियों को फांसी देने की मांग की है। महाराज ने मंच से स्पष्ट किया कि सनातन के लिए आवाज उठाने वालों को दबाने की कोशिश हो रही है।

प्रशासन सो रहा..., सनातन को खत्म किया जा रहा: देवकीनंदन

प्रखर आध्यात्मिक गुरू और कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने इस वारदात पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे 'साजिश' करार दिया। प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए हैं। सनातन को खत्म किया जा रहा। पुलिस और खुफिया तंत्र को इस तरह की खबर क्यों नहीं मिलती।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रतिभा अग्रवाल पत्नी पप्पू अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी सत्तीपारा बेचन कालोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा 18/14 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डॉली सिंह पत्नी रितेश कुमार सिंह जाति क्षत्रिय निवासी कुम्दा कॉलोनी बिश्रामपुर तहसील विश्रामपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 119/27 रकबा 0.022 हे० भूमि को कृषि भिन्न अवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अधवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागी अधिकारी
(रा).अंबिकापुर,

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कौशल कुमार सिंघल आ० ओर प्रकाश सिंघल जाति अग्रवाल निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 139/25, 139/18 रकबा 0.044, 0.100 हे0 भूमि को कृषि भिन्न औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हेमलता राजवाड़े पत्नी सत्यनारायण राजवाड़े जाति रजवार निवासी भकुरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 63/25 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.)अंबिकापुर,

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-20260302170003 7/अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दशरथ आ० स्व० स्व० हिरासाय व अन्य, जाति गोड़, निवासी ग्राम भगवानपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि कुल खसरा न०11 कुल रकबा 5.290 हे० भूमि का अनावेदक रामकुमार आ० स्व० शिवलाल व अन्य, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/04/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर उंच न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क०ब-121/2025-26

ग्राम - लाउ तहसील राजपुर

ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्वसाधारण आम जनता लाउ को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री छोटेलाल आ० सुखदेव जाति उराव निवासी ग्राम लाउ थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने नाना स्व. कोटेला आ० स्व. बुधराम का मृत्यु ग्राम लाउ में दिनांक 07/04/2020 को हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 23/03/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार//

क्रमांक 12080/वाचक-2/2025

सूरजपुर दिनांक 11/03/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर झूमरपारा पहनं- 22 तहसील सूरजपुर आवेदक युगेश कुमार पिता संतलाल जाति कुम्हार निवासी ग्राम झूमरपारा पोस्ट करंजी थाना बिश्रामपुर जिला-सूरजपुर छःग ने अपने पुत्र/पुत्री दादा सर्वगीय- जगरनाथ पिता/पति सहोरन जन्म/मृत्यु दिनांक 11/04/2005 स्थान झूमरपारा ने जन्म मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें कार्यवाही की जा रही है। अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति आक्षेप हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 27/03/2026 दिन शुक्रवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति आक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं। आज दिनांक 11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
नायब- तहसीलदार
उप तह. मानी, तहसील सूरजपुर,
जिला सूरजपुर(छःग)

राजकुमार चौहान हत्याकांड का बड़ा खुलासा, 5 और आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर। चिलुआताल क्षेत्र में भाजपा नेता व प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार चौहान की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए 5 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने पूरे मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह हत्या गहरी रंजिश, सुनियोजित साजिश और आपराधिक गठजोड़ का परिणाम है। एसएसपी ने बताया कि 17 मार्च की सुबह करीब 6:15 बजे सूचना मिली थी कि अज्ञात हमलावरों ने राजकुमार चौहान पर हमला कर दिया है। उन्हें इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में परिजनों की तहरीर पर थाना चिलुआताल में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें दो संदिग्ध व्यक्ति घटना से पहले मौके की ओर जाते हुए दिखाई दिए।

भाजपा का समर्थन करेंगे मुसलमान टीएमसी का नहीं, हम समान न्याय के लिए लड़ रहे

बंगाल चुनाव से पहले सुवेंदु अधिकारी ने किया बड़ा दावा

पश्चिम बंगाल में दोनों दलों में टकराव चरम पर जा पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार में जुटे राज्य के विपक्ष के नेता और भावानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी का कहना है, मुसलमान भाजपा का समर्थन करेंगे, टीएमसी का नहीं।

सुवेंदु ने कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद कहा कि बंगाल की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान बचाना जरूरी है। तृणमूल पर तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सभी के लिए समान न्याय की बात करती है।

चुनावी के बीच भिड़े भाजपा- टीएमसी

बंगाल में बढ़ती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच उत्तरी 24 परगना में भाजपा-टीएमसी के समर्थकों के बीच झड़प की खबर है। बारानगर में घटना के बाद हालात पर काबू पाने सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। झड़प पर बारानगर के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस सिद्धार्थ सिंह डांगी ने बताया, हालात सामान्य हैं।

पुडुचेरी में एआईएडीएम को 2 सीटें

एनडीए के घटक दल- एआईएडीएमके ने आगामी विधानसभा चुनावों में 2सीटों पर ताल ठोकने की घोषणा की है। एआईएडीएमके सचिव अनबझगन ने बताया कि पार्टी उप्पलम और ओरलियनपेट से लड़ेगी। एनडीए पुडुचेरी में सत्ता बरकरार रखेगा।

असम विधानसभा चुनाव: भाजपा प्रवक्ताओं को कमर कसने के निर्देश

भाजपा ने असम में चुनाव प्रचार को गति देने के लिए पार्टी के प्रवक्ताओं को निर्देश दिए हैं। केंद्र के साथ-साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में हुए काम का प्रचार करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने असम के पार्टी प्रवक्ताओं को जरूरी निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री जयंत की मौजूदगी में हो गए शामिल

त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल का दामन थामा, दोनों पार्टियों में कोई अंतर नहीं

इस दौरान 'चौधरी' की प्रशंसा भी की

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पूर्व वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) का दामन थाम लिया है। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू छोड़ने के बाद केसी त्यागी रविवार सुबह आरएलडी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में उनकी पार्टी में शामिल हुए। इसके बाद केसी त्यागी ने कहा, अब से ठीक 52 साल पहले 9 अगस्त 1974 को चौधरी चरण सिंह लोकदल बना रहे थे। मैं उस मंच पर विराजमान था। मैं चौधरी चरण सिंह की बदौलत दोनों सदनों का सदस्य रहा हूं। मैं अब विधायक और सांसद बनने के लिए नहीं, बल्कि जयंत चौधरी को चौधरी चरण सिंह की तरह देखने के लिए आया हूं।

जयंत को चरण सिंह जैसा देखने को आया

त्यागी के आने से ऊर्जा मिलेगी: जयंत

रालोद अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि एक ही इच्छा त्यागी जी ने प्रकट किया है कि हमें चौधरी चरण सिंह जैसा बनना है। हम चौ. चरण सिंह नहीं बन सकते हैं, वह हमारे आदर्श हैं। हमारे दल में नई ऊर्जा और नई ताकत देने वाले केसी त्यागी जी, अशोक यादव जी और सुरेंद्र त्यागी जी बहुत सारे और लोग शामिल हुए हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुनीता सिंह पत्नी स्व० दिनेश कुमार सिंह, आर्यमन सिंह आ० उमेश्चन्द्र सिंह, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला बौरीपारा, शीट नंबर-06 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक-2173/3, 2174/20 रकबा 0.00,1/2, 0.07, 3/4 एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त ही रही है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अन्या आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 09/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अरूण कुमार तिवारी आ० जय गोविन्द तिवारी जाति ब्राम्हण निवासी मकान नं0 '143 शिव चौक कुसमी तहसील कुसमी जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा 558/7, 597/7 रकबा 0.030, 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गिरबरधारी पिता रामप्यारी जाति गोड़ निवासी सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 3/9 रकबा 0. 129 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा),अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार, दरिमा जिला-सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

रा.प्र.क.//अ-6/2025-26

ग्राम खाला तहसील दरिमा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि, आवेदिका उर्मिला एक्का पति राजश एक्का जाति उरॉव निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम खाला प०ह०न० 04 रा०नि०नं० सोहगा तहसील दरिमा में स्थित भूमि ख0न0 244/1 रकबा 0.226 हे० भूमि का बी-1 एवं दिनांक 05/01/2026 को की गयी परिवार के मां-बेटी के मध्य पंजीकृत दान पत्र, आधार कार्ड, सरगुजा सेटलमेन्ट, की छाया प्रति संलग्न कर पंजीकृत दान पत्र के आधार पर आवेदिका के नाम से नामान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

नायब तहसीलदार,
दरिमा जिला-सरगुजा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि तेतरा देवी पत्नी राम गुप्ता जाति तेली निवासी राबटर्सगंज तहसील सोनभद्र उत्तर प्रदेश जिला सोनभ्रद उत्तर प्रदेश के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा 434/308 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कल्पना सिन्हा पत्नी आरेन्द्र सिन्हा, निशीराज सिन्हा, रिधी सिन्हा पिता आरेन्द्र सिन्हा जाति कायस्थ निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा 323/49 रकबा 0.067 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक मो० इरफान खान आ० मो० रफीक खान, जाति मुसलमान, निवासी रसूलपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि शीट नम्बर-08 मोहल्ला सदर रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2932/2 रकबा 234 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला - जशपुर के न्यायालय में मामला कमांक:202603031100024

मामले की श्रेणीः- राजस्व
पालीडीह प.ह.न. 00009 [527(1,3020 हे0)]
विषयः-अ-2
सत्तः-2025-2026
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार अनुभान सिंह पिता अमर साय,
अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुभान सिंह पिता अमर साय जाति गोड, निवासी ग्राम पालीडीह, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पालीडीह प. ह. नं. 09 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 527 रकबा 1.302 हे0 में से 0.160 हे0 (1600 वर्गमीटर) का व्यवसायिक प्रयोजनार्थ (स्कूल निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 08/04/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/03/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला -जशपुर

सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल हुए बाइचुंग भूटिया

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सरगुजा ओलम्पिक 2026 के संभागस्तरीय प्रतियोगिताओं का समापन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में हुआ। समापन समारोह में भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्ड से सम्मानित श्री बाइचुंग भूटिया शामिल हुए।

उन्होंने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आज यहाँ सिक्किम से आप सभी खिलाड़ियों में जोश की भावना सिंचित करने आया हूं। आप सबको मैं एक ही मैसेज देना चाहता हूं कि आप लोग लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक का सफल आयोजन आज यहां सम्पन्न हुआ। यह सरगुजा सम्भाग के खिलाडियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग में जशपुर की रिया तिर्की, कोरिया की सिमरन सिंह, सूरजपुर की रिया, सरगुजा की महिला सिंह, सूरजपुर की प्रियंका विजेता रहीं। महिला वर्ग में सूरजपुर की अंजू सिंह, कोरिया की स्नेहा, सूरजपुर की प्रज्ञा राजवाड़े विजेता रहीं। बालक वर्ग में जशपुर के गोविंद गुप्ता, कोरिया के यदुवंश राजवाड़े, बलरामपुर के अभिषेक कच्छप विजेता रहे। पुरूष वर्ग में एम.सी.बी. के टी. नाग उमेश्श्वर राव, सरगुजा के अरूण कुमार, जशपुर के विश्वनाथ तिग्गा विजेता रहे।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं।

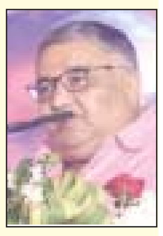

सरगुजा के युवाओं में है अपार क्षमता-बाइचुंग भूटिया

सरगुजा ओलंपिक 2026के समापन अवसर पर भारतीय फुटबॉल जगत के दिग्गज और पूर्व कप्तान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बाइचुंग भूटिया ने जोहार सरगुजा से अभिवादन कर खिलाड़ियों में जोश भरते हुए उन्हें कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प का मंत्र देते हुए युवाओं को खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

दूरी मायने नहीं रखती, जुनून जरूरी है, सिक्किम से सरगुजा तक के अपने सफर का जिक्र करते हुए भूटिया ने कहा कि भौगोलिक दूरियाँ प्रतिभा के आड़े नहीं आतीं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मैं सिक्किम के एक बहुत छोटे से गाँव से निकलकर भारत के लिए खेल सका। मेरा गाँव सरगुजा से भी छोटा है। इसलिए यह कभी न सोचें कि आप किसी कोने में हैं, तो प्रोफेशनल खिलाड़ी नहीं बन सकते। अपने मन से यह शंका निकाल दें और खुद पर विश्वास रखें।

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना, बाइचुंग भूटिया ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेलों को दी जा रही प्राथमिकता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं और खेल को प्राथमिकता दे रही है। जिससे सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभा मंच मिला है। खेल विधाओं को अक्सर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से न केवल राष्ट्रीय खिलाड़ी, बल्कि ओलंपिक मेडलिस्ट भी निकलेंगे।

सिंसियरिटी और हार्ड वर्क से मिलेगी सफलता, उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सरकारी सहयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ व्यक्तिगत मेहनत सबसे महत्वपूर्ण है।

लखपति दीदी अभियान को मिली नई रफ्तार

● 18 हजार से अधिक महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर, गांवों की अर्थव्यवस्था को दे रहीं मजबूती

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले में 'लखपति दीदी' अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जहां 18 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध जशपुर की महिलाएं अब खेती, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और लघु उद्यमों के माध्यम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। गांव-गांव में सक्रिय कृषि सखियां और पशु सखियां किसानों तक आधुनिक तकनीक और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी पहुंचाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। जिले में वर्तमान में 12 हजार 808 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे 1 लाख 37 हजार 912 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। सामूहिक प्रयासों से ये महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2027 तक जशपुर जिले में 30 हजार 877 'लखपति दीदी तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 18 हजार 218 महिलाएं लखपति बन चुकी हैं, जबकि शेष महिलाओं को भी आगामी वर्षों में इस श्रेणी में लाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए 'बिहान' योजना के माध्यम से व्यापक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 14 करोड़ रुपये मुद्रा लोन, 76 करोड़ रुपये बैंक लिंकेज और 13 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सहायता दी गई है। साथ ही लगभग 70 हजार महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 8500 संभावित लखपति दीदियों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया है और उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निगरानी भी की जा रही है। महिलाएं डेयरी, बकरी पालन, पोल्ट्री और फूड प्रोसेसिंग जैसे व्यवसायों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को नई तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने के उद्देश्य से 23 से 25 मार्च 2026 तक कृषि महाविद्यालय, कुनकुरी में 'कृषि क्रांति एक्सपो 2.0 का आयोजन किया जा रहा है,

परिचित ने रिटायर्ड अधिकारी से ईओडब्ल्यू का डर दिखाकर की लाखों की ठगी

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड अधिकारी को एक शातिर आरोपी ने पुराने परिचय का फायदा उठाकर ब्लैकमेल कर लाखों रुपए ठग लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ साइबर ठगी और ब्लैकमेलिंग की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। घटना राखी थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित देवलाल टेकाम, जो पीडब्ल्यूडी से रिटायर्ड सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (एसई) हैं, को 28 जनवरी को दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वालों ने खुद को ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा) का अधिकारी बताकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज होने की बात कही।

जांच में यह कॉल साइबर ठगी के इरादे से किया गया पाया गया। पीड़ित ने इस कॉल की जानकारी अपने पुराने परिचित धर्मेन्द्र चौहान को दी।

मोहरेंगा नेचर सफारी, जिप्सी सफारी और कॉटेज सुविधा शुरू

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। प्रकृति के करीब, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना और स्थानीय संस्कृति व वन्यजीवों का सम्मान करते हुए की जाने वाली यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्यजीव का संरक्षण, शिक्षा और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाना ही ईको-पर्यटन है। रायपुर जिले के खरोरा के पास ग्राम मोहरेंगा में 'नेचर सफारी मोहरेंगा में नई ईको-पर्यटन सुविधाओं का शुभारंभ किया गया। विधायक किरण सिंहदेव, अनुज शर्मा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन और वन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान हमारे घने जंगलों और जैव विविधता से है। हमारा लक्ष्य केवल पर्यटन का विकास करना नहीं है, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के बीच एक संतुलन बनाना है। ये नवनिर्मित संरचनाएं पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाएंगी, जिससे पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी। साथ ही, ईको-पर्यटन के माध्यम से हम स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। यह सफारी रायपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर तिल्दा-खरोरा मार्ग पर स्थित है और करीब 500 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। मोहरेंगा नेचर सफारी के माध्यम से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र के स्थानीय युवा और बच्चों को प्रकृति के महत्व से जोड़ सकेंगे। यहां पर्यटक 10 किलोमीटर लंबी जिप्सी सफारी का आनंद ले सकते हैं।

1 अप्रैल से लागू होगी नई सॉलिड वेस्ट पॉलिसी, शादी-पार्टी पर भी सख्त नियम

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। नई सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पॉलिसी छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में 1 अप्रैल से लागू होने जा रही है। इस नए नियम के तहत अब शादी, जन्मदिन या किसी भी बड़े आयोजन में 100 से अधिक मेहमान होने पर आयोजकों को कम से कम तीन दिन पहले नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर 500 रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

मौके पर ही जुर्माने का प्रावधान

नई नीति के तहत बड़े आयोजनों को 'बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे आयोजनों में उत्पन्न कचरे के प्रबंधन की जिम्मेदारी आयोजक की होगी। यदि बिना सूचना कार्यक्रम आयोजित किया गया या स्थल पर गंदगी पाई गई, तो निगम द्वारा मौके पर ही जुर्माना लगाया जाएगा।

कचरे का करना होगा चार तरह से पृथक्करण

नई गाइडलाइन के अनुसार अब हर घर, संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कचरे को चार हिस्सों में अलग करना अनिवार्य होगा। गीला कचरा (रसोई व जैविक अपशिष्ट), सूखा कचरा (प्लास्टिक, कागज, धातु), सैनिटरी कचरा (डायपर, नैपकिन), विशेष कचरा (बैटरी, दवाइयां, बल्ब आदि)। यदि कोई व्यक्ति या संस्था मिश्रित कचरा देती है, तो संग्रहण वाहन उसे उठाने से मना कर सकते हैं और तत्काल जुर्माना भी लगाया जा सकता है। सड़क किनारे दुकान लगाने वाले वेंडरों को अब अपने पास डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा। उन्हें कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालना होगा।

करीब 5 लाख भूमिहीन परिवारों को 500 करोड़ रुपये की सौगात देंगे-मुख्यमंत्री

22 हजार से अधिक बैगा-गुनिया परिवार होंगे लाभान्वित

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के शिल्पकार भूमिहीन कृषि मजदूर अब आर्थिक सुरक्षा के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' न केवल एक वित्तीय सहायता कार्यक्रम है, बल्कि यह समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन देने का एक महायज्ञ भी है। इस योजना के तहत इस साल 4,95,965 भूमिहीन हितग्राहियों के खाते में सीधे 10,000 रुपये की धनराशि प्रत्येक हितग्राही के मान से अंतरित की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। इस सूची में 22 हजार 28 बैगा और

गुनिया परिवार भी शामिल हैं, जो राज्य की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के रक्षक हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष भी इस योजना के माध्यम से रिकॉर्ड सहायता प्रदान की थी। साल 2025 में कुल 5,62,112 हितग्राहियों को 10,000 रुपये के हिसाब से 562 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये की राशि वितरित की थी। आंकड़ों का यह निरंतर प्रवाह दर्शाता है कि राज्य सरकार भूमिहीन परिवारों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

25 मार्च को बलौदाबाजार की धरती से जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राशि अंतरित करेंगे, तो वह छत्तीसगढ़ के 'न्याय और सुशासन' की गूंज होगी। 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार की नीयत साफ और नीति स्पष्ट हो, तो विकास की किरण हर झोपड़ी तक पहुंचती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका समावेशी स्वरूप है। इस वर्ष की लाभार्थी सूची में 22,028 बैगा और गुनिया परिवार भी शामिल हैं। ये वे लोग हैं जो हमारी प्राचीन औषधीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखे हुए हैं। सरकार ने इन्हें मुख्यधारा से जोड़कर यह संदेश दिया है कि 'अंत्योदय' की कतार में खड़ा आखिरी पंक्ति के व्यक्ति भी शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' उन ग्रामीण परिवारों के लिए एक वरदान है, जिनकी आय का मुख्य स्रोत मजदूरी है। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य इन परिवारों को सालाना एक निश्चित आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपनी बुनियादी जरूरतों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं को बिना किसी कर्ज के पूरा कर सकें। इन्हें पूर्व में दी जाने वाली 7,000 रुपये की राशि को बढ़ाकर अब 10,000 रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है, जो सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचती है।

मरम्मत के लिए 1 माह तक बंद रहेगा खारुन पुल

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। 1 अप्रैल से एनएच-53 स्थित रायपुर और दुर्ग को जोड़ने वाले खारून नदी ब्रिज पर मरम्मत कार्य शुरू होने जा रहा है। यह काम करीब एक माह तक चलेगा, इस दौरान पुल पूरी तरह बंद रहेगा और यातायात के लिए डायवर्जन एवं वन-वे व्यवस्था लागू की जाएगी।

यह ब्रिज रोजाना लगभग डेढ़ लाख वाहनों की आवाजाही संभालता है। ऐसे में मरम्मत के दौरान भारी ट्रैफिक दबाव और जाम की स्थिति बनने की आशंका है। इसे देखते हुए पुलिस और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं।

अधिकारियों ने यातायात के लिए किया तैयार विस्तृत प्लान

रायपुर ट्रैफिक के अतिरिक्त डीसीपी विवेक शुक्ला, एसीपी सतीश ठाकुर, सीमा अहिरवार सहित एनएचएआई और स्थानीय थाना प्रभारियों ने मौके का निरीक्षण कर ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने सुचारू यातायात के लिए विस्तृत प्लान तैयार किया है।

रायपुर आने के लिए डायवर्जन

एयरपोर्ट, नया रायपुर, मंत्रालय, अभनपुर जाने वाले वाहन: सेलूद-पाटन-अभनपुर मार्ग दुर्ग, भिलाई, उतई से आने वाले: सेलूद-फूंडा-जामगांव-मोतीपुर-अमलेश्वर मार्ग चरोदा, भिलाई-3 से आने वाले: सिरसा गेट-मोतीपुर-अमलेश्वर मार्ग कुम्हारी क्षेत्र से आने वाले: कुम्हारी-उरला-खमरिया-अमलेश्वर मार्ग

दुर्ग जाने के लिए मार्ग

छोटे वाहन: चंदनीडीह से पुराने रपटा/पुल के जरिए कुम्हारी टोल अन्य वाहन: भटगांव-अमलेश्वर-मोतीपुर मार्ग वन-वे ट्रैफिक रहेगा लागू पुल के आसपास वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू किया जाएगा। कुम्हारी टोल से चंदनीडीह तक विशेष रूप से वन-वे नियमों का पालन करना होगा।

प्रशासन की लोगों से अपील

प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे डायवर्जन मार्गों का पालन करें और यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.202603011700028 /अ-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक [illegible] निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 142, 143/1 रकबा क्रमशः 0.280, 0.160 हे० में से क्रमशः 10 डिसमिल, 40 डिसमिल (कुल 50 डिसमिल) भूमि कर्ज अदा करने, कृषि उपकरण ट्रेक्टर एवं थ्रेसर इत्यादि क्रय करने हेतु रुपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक [illegible] सिंह पति [illegible] सिंह, निवासी देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) को रू. 15,00,000/- (पन्द्रह लाख रुपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.04.2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री भगवान सिंह सेंगर आ0 हनुमान सिंह सेंगर, निवासी अस्पताल रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर 10 मोहल्ला दर्रीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 4177/3 रकबा 0.09,1/4 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

राज्य में वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास - मंत्री कश्यप

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर, वन विभाग और विभिन्न संगठनों द्वारा वन संरक्षण, वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इन कार्यक्रमों में वैज्ञानिक तकनीक, वनीकरण के महत्व और सतत भविष्य के लिए वनों के प्रबंधन पर विशेषज्ञ चर्चा करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन प्रकृति पर आधारित है और राज्य में वनों

के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वन क्षेत्र में वृद्धि, वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी और राज्य की पहली रामसर साइट की उपलब्धि की सराहना की। साथ ही विभागीय योजनाओं को लक्ष्य आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में टीईआरआई नई दिल्ली द्वारा वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन, जलवायु परिवर्तन और पारंपरिक ज्ञान से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया गया। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा अरण्य भवन, नया रायपुर स्थित दण्डकारण्य सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड श्री विकास मरकाम ने की। उन्होंने कहा कि वनों को न काटे न कटने दे ये सरकार और हम सभी समाज के लोगों का कर्तव्य भी है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने कहा कि वनों की भूमिका को स्थानीय अर्थव्यवस्था और आजीविका से जोड़ते हुए जैव विविधता संरक्षण के साथ आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से जुड़े वित्तीय संसाधनों जैसे जीसीएफ, जीईएफ और अन्य योजनाओं के तहत परियोजनाएं तैयार करने पर जोर दिया। कार्यशाला में तकनीकी सत्र और पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। तकनीकी सत्र में वनों से मिलने वाली पारिस्थितिकी सेवाओं पर प्रस्तुतीकरण, ग्रीन क्लाइमेट फंड परियोजनाओं की जानकारी तथा नाबार्ड द्वारा उपलब्ध वित्तीय सहायता के विकल्पों पर चर्चा की गई। वहीं, पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने वानिकी और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में हो रही प्रगति पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय अनुकूलन कोष परियोजना से जुड़े हितग्राहियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कुदरगढ़ महोत्सव के पहले दिन श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक वैभव से क्षेत्र हुआ सराबोर

आकर्षक व हृदयस्पर्शी प्रस्तुतियों ने मोहा मन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को चैत्र नवरात्र के शुक्ल पंचमी की दिव्य बेला में आस्था, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम कुदरगढ़ धाम में देखने को मिला, जब जिला प्रशासन व मां कुदरगढ़ी न्याय ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान से कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ हुआ। 23 से 25 मार्च तक आयोजित इस त्रि-दिवसीय महोत्सव ने पहले ही दिन श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक वैभव से पूरे क्षेत्र को सराबोर कर दिया। शुभारंभ अवसर पर लोक न्याय ट्रस्ट के अध्यक्ष राम सेवक पैंकरा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए महोत्सव के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुदरगढ़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि यह इस क्षेत्र की लोक परंपराओं, जनआस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का एक सार्थक प्रयास है। श्री पैंकरा ने माँ कुदरगढ़ी की कृपा से इस महोत्सव को प्रतिवर्ष और भव्य रूप देने का संकल्प व्यक्त करते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं दर्शकों का हार्दिक स्वागत किया।

महोत्सव के प्रथम दिवस पर जिले के पाँच करमा दलों ने पारंपरिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण को जीवंत कर दिया। सुप्रसिद्ध कलाकार आनंदिता तिवारी ने कथक नृत्य के माध्यम से माँ कुदरगढ़ी की भावपूर्ण स्तुति प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। भक्ति रस की प्रस्तुतियों में निलेश मित्तल के भजनों और स्तुति जायसवाल के धार्मिक गीतों ने श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो दिया। पंडित लल्लू राजा एवं उनके साथियों द्वारा सरगुजिहा लोकगीतों की सुमधुर प्रस्तुति ने लोक संस्कृति की मिठास बिखेर दी। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में मुंबई के सुप्रसिद्ध लीला रॉक बैंड की भक्तिमय प्रस्तुति ने आधुनिकता और परंपरा का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। रात्रि भक्ति एवं सांस्कृतिक संध्या ने वातावरण को और भी अलौकिक बना दिया तथा दर्शक देर रात तक कार्यक्रमों में रमे रहे।

जिला प्रशासन का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राज्य स्तर पर स्थापित करना और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। लोक न्याय ट्रस्ट की सहभागिता ने इस आयोजन को केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बना दिया है।

आज बिखरेंगे सांस्कृतिक के अद्भुत रंग

महोत्सव के दूसरे दिन 24 मार्च को सांस्कृतिक रंग और गहरे होने वाले हैं। छात्र-छात्राओं द्वारा करमा नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ नेहा तिवारी के लोक जस गीत, बसंत वैष्णव की प्रस्तुति, कला केंद्र सूरजपुर के कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गायन, बीजीएम ग्रुप की बैंड प्रस्तुति, लक्ष्मीकांत जडेजा, आसमी शर्मा के सांस्कृतिक गीत, कमलेश शर्मा, नासिर खान एवं संजय सुरीला की मनमोहक प्रस्तुतियाँ महोत्सव को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगी। स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकारों की सहभागिता, लोक संस्कृति की सजीव झलक और भक्ति की अनुगूंज ने कुदरगढ़ महोत्सव को एक विशिष्ट पहचान और गरिमा दी है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ इस आयोजन की लोकप्रियता और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करती है। माँ कुदरगढ़ी के चरणों में यह तीन दिवसीय महोत्सव जिले की सामूहिक आस्था, संस्कृति और जन-चेतना का जीवंत उत्सव बन गया है।

साक्षरता महापरीक्षा, जिले में लक्ष्य विरुद्ध 94.95 प्रतिशत शिक्षार्थियों ने की सहभागिता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बीते रविवार को उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा का आयोजन उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जिसमे जिलेभर में शिक्षार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और साक्षरता अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

जिला जेल में भी महापरीक्षा का आयोजन किया गया। उल्लास पोर्टल पर कुल 85 शिक्षार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिनमें से 26 शिक्षार्थियों के रिहा हो जाने के पश्चात शेष 59 शिक्षार्थियों ने सहायक जिला जेल अधीक्षक विक्रम कुमार गुप्ता के सहयोग से परीक्षा में भाग लिया। जेल केंद्र में केंद्राध्यक्ष के रूप में कृष्ण कुमार सोनी ने दायित्व निभाया, जबकि पर्यवेक्षक के रूप में सन्नी अहलाद टोप्पो जेल प्रहरी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जेल प्रहरी शांतनु चतुर्वेदी, अमित गुप्ता तथा विकासखंड परियोजना अधिकारी जयराम प्रसाद का आयोजन में सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में जिले को प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध 94.95 प्रतिशत शिक्षार्थियों ने महापरीक्षा में सहभागिता दर्ज कराई, जो जिले के लिए एक उपलब्धि है। इस सम्बन्ध में कलेक्टर ने कहा कि यह आयोजन ने न केवल साक्षरता अभियान को नई गति दी है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में जिले के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान की है।

बगैर मुसाफिरी दर्ज किए रह रहे बाहरी लोगो के खिलाफ अभियान चलाने की मांग

एसएसपी को ज्ञापन,बाहरी लोगों के आमद रफ्त पर जताई चिंता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर के कुछ लोगो ने एसएसपी को एक ज्ञापन देकर शहर व उसके आसपास के क्षेत्रों में बदल रहे समाजिक परिवेश की ओर ध्यानाकर्षित किया है।ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कुछ समय से बाहरी राज्यों विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से आने वाले व्यक्तियों की आमद बढ़ गई है।जिससे स्थानीय नागरिकों के मन में असुरक्षा का भाव पैदा हो रहा है। ज्ञापन कहा गया है कि शहर के विभिन्न वार्डो और व्यापारिक क्षेत्रों सैकड़ों बाहरी व्यक्ति बिना किसी पुलिस वेरिफिकेशन ही रह रहे हैं। इनकी पृष्ठभूमि और पूर्व आपराधिक रिकार्ड की जानकारी न होना जिले की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हाल ही के दिनों में चोरी, धोखाधड़ी और संदिग्ध गतिविधियों में वृद्धि हुई है। आशंका है कि व्यापार की आड में कुछं असामाजिक तत्व यहाँ अपनी जड़ें जमा रहे हैं।बाहरी लोग अत्यधिक किराया देकर स्थानीय दुकानों को हथिया रहे हैं, जिससे वर्षों से यहाँ व्यवसाय कर रहें स्थानीय छोटे व्यापारी और युवा बेरोजगार हो रहे हैं। जो भविष्य में स्थानीय बनाम बाहरी के बीच सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। कई मकान मालिक और दुकानदार अधिक मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखकर बाहरो लोगों को बिना पहचान पत्र और बिना पुलिस सूचना के पनाह दे रहे हैं और अपनी दुकानों कों उक्त बाहरी लोगों को किराये पर दिये है, उक्त बाहरी लोगों की न तो कोई पहचान है और न ही उनकी सही स्थिति की जानकारी है। ज्यादातर यह देखने को मिल रहा है कि शहर अत्याचिक सैलून दुकान संचालित है और इनका संचालन समाज का एक विशेष तबका कर रहा है, परंतु इन दुकानों का संचालन कौन कर रहा हैं ओर उसमें में जो वर्कर हैं वे कंहा के है उनका मूल निवास स्थान कहा है यह भी अपने आप में संदेह को जन्म देता है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक विशेष अभियान चला कर सभी किरायेदारों और बाहरी कामगरों की पहचान सुनिश्चित की जाए।ताकि शहर सुरक्षित रह सके।ज्ञापन सौंपने वालो में वीरेंद्र ठाकुर,सुरेन्द ठाकुर,नन्द किशोर सहित अन्य लोग शामिल थे।

सेजस के छात्र आदित्य का नवोदय विद्यालय हेतु हुआ चयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा में कक्षा 5वीं के छात्र आदित्य राज गेंदले का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा में हुआ है। आदित्य के चयन से विद्यालय परिवार व परिजन गौरवान्वित है। सुरेश कुमार गेंदले के सुपुत्र आदित्य की यह उपलब्धि ना केवल उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है, बल्कि यह विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भी प्रमाण है।

विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगणों ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आदित्य की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। आदित्य के माता-पिता ने भी इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यालय के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय से मिले सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा ने उनके बेटे को इस मुकाम तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्यालय परिवार ने आदित्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वह आगे भी इसी तरह सफलता की ऊँचाइयों को छूते हुए समाज और देश का नाम रोशन करेगा।

माता कर्मा एक समाज की आराध्य नहीं, बल्कि विश्व के भक्ति और शक्ति का प्रतीक : रामलल्लू

भक्तिमय माहौल में मनाई गई भक्त माता कर्मा जयंती, पदाधिकारियों का हुआ शपथ ग्रहण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिवप्रसादनगर स्थित साहू समाज धर्मशाला में त्याग, तपस्या और भक्ति की प्रतिमूर्ति भक्त शिरोमणि संत माता कर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर तहसील साहू संघ भैयाथान के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला साहू संघ के अध्यक्ष राम लल्लू साहू थे, जबकि अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष सौरभ साहू ने की।

मुख्य अतिथि राम लल्लू साहू ने समाज को संबोधित करते हुए कहा, माता कर्मा केवल एक समाज की आराध्य नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए भक्ति और शक्ति का प्रतीक हैं। आज के समय में समाज की असली शक्ति उसकी एकता और शिक्षा में निहित है। हमारे समाज के युवाओं को उच्च शिक्षा की

ओर अग्रसर होना होगा ताकि वे मुख्यधारा में अपनी पहचान बना सकें। नवनियुक्त पदाधिकारियों का कर्तव्य है कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करें और संगठन को ग्रामीण स्तर तक मजबूत बनाएं। तहसील अध्यक्ष सौरभ साहू ने कहा, भैयाथान तहसील के अंतर्गत साहू समाज को एक नई दिशा देना हमारी प्राथमिकता है। इस शपथ ग्रहण के साथ ही हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। हम गाँव-गाँव जाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और नशामुक्ति के खिलाफ अभियान चलाएंगे। माता कर्मा के बताए मार्ग पर चलते हुए हम निर्धन परिवारों की सहायता और प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं।

समाज का हर सदस्य स्वयं को इस संगठन का हिस्सा समझे, तभी हम एक आदर्श समाज की स्थापना कर पाएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता कर्मा के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। पारंपरिक परिधानों में सजी मातृशक्तियों ने भजन और कीर्तन से पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मंच संचालन महामंत्री सुनील साहू और आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष नीरू गुप्ता द्वारा किया गया।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष जोखन लाल साहू, जिला प्रवक्ता सुनील साहू, मणिप्रताप साहू, अशोक साहू, गैबीनाथ साहू, राजेश प्रकाश साहू, उमाशंकर साहू, समित साहू, शिवदयाल साहू, दिलीप साहू, काजल गुप्ता, मीडिया प्रभारी नीरज साहू, कृष्णमुरारी साहू, राजेश्वर साहू, रामनंदे साहू, संपूर्ण साहू, बृजेश साहू, नांदेराम साहू, मनोज साहू, शुभम साहू, राजेश साहू, रामबिलास साहू, स्वयंवर साहू, नन्दे राम साहू, राकेश साहू, राजकुमार साहू, महेन्द्र साहू, संतोष साहू, रामसूरत साहू, सविता साहू, उमेश साहू, अरविंद साहू, कैलाश साहू, मोहन साहू, ब्रजनेत्र गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, दीपनारायण साहू, नंदकुमार साहू, रामनारायण साहू एवं हरिराम सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2025-26

ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश कुमार मिंज पिता टेहेराम जाति उरांव निवासी पचपेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम पचपेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 32/20 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संगीता सिंह पत्नी प्रमोद सिंह, मुन्ना कुमार सिंह पिता रामेश्वर सिंह जाति क्षत्रिय निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2/1045, रकबा 0.024 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचारधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अनामिका मिश्रा पत्नी सुनील कुमार मिश्रा जाति ब्राहम्ण निवासी भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 110/27 रकबा 0.010 हे० भूमि को कृषि भिन्न अवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मैं, राम सुभक, पिता शिवनाथ अपना नाम को बदल कर नया नाम रामशुभक, पिता शिवनाथ निवासी /पता घसियापारा हाउस न.15 कोटेया जिला – सूरजपुर, छत्तीसगढ़, पिन कोड 497223 रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य मे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों मे नया नाम रामशुभक, पिता शिवनाथ से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथर्ता
नाम रामशुभक
पता – घसियापारा
हाउस न. 15 कोटेया
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़,
पिन कोड 497223

कार्यकर्ताओ की मेहनत, निष्ठा और समर्पण से ही सशक्त बनता है संगठन : रामसेवक

भाजपा शहर मंडल के प्रशिक्षण वर्ग में प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां भाजपा जिला कार्यालय में शहर भाजपा द्वारा प. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी ध्वज रोहण के साथ हुआ। कार्यक्रम स्थल पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक उपलब्धियों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शन किया गया, जो कार्यकर्ताओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत और असली पूंजी होते हैं उनकी मेहनत, निष्ठा और समर्पण से ही संगठन मजबूत और सशक्त बनता है कार्यकर्ता जितना सक्रिय और जागरूक होगा, संगठन उतना ही सफल होगा, हमारा दायित्व है कि हम हर कार्यकर्ता का सम्मान करें संगठन की प्रगति का आधार ही कार्यकर्ता की शक्ति और एकजुटता है।

हमारा व्यक्तित्व व कार्यशैली नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त माध्यम : भीमसेन

समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल ने कहा कि हमें दूसरों के साथ वैसा व्यवहार करना चाहिए जैसा हम अपने लिए अपेक्षा करते हैं प्रशिक्षण हमें केवल जानकारी ही नहीं, बल्कि कार्य करने की सही दिशा और दृष्टि प्रदान करता है यह हमारे व्यक्तित्व, कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

मंडल की एकजुटता जिले के लिए प्रेरणादायक : मुरलीमनोहर

जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने जिज्ञासा समाधान करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि उद्बोधन मंडल के सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण, अनुशासन और सक्रियता के साथ कार्य किया है, वह अत्यंत सराहनीय है आप सभी की मेहनत से संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत और प्रभावी बना है मंडल की यह एकजुटता और ऊर्जा पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक है मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप इसी उत्साह के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

वैचारिक अधिष्ठान संगठन की मूल शक्ति : महलवाला

पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवाला ने कहा कि वैचारिक अधिष्ठान ही किसी संगठन की मूल शक्ति और पहचान होता है मजबूत विचारधारा हमें सही दिशा, स्पष्ट लक्ष्य और स्थिरता प्रदान करती है विभिन्न सत्रों में संगठनात्मक कार्यशैली, सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा जनसंपर्क संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, टीम वर्क एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही सांस्कृतिक एवं संवाद सत्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय एवं उत्साह का संचार किया गया। विभिन्न सत्रों में रामकृपाल साहू नूतन विश्वास शशिकांत गर्ग ललित गोयल राजेश्वर तिवारी नेहा तिवारी देव गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जिसकी अध्यक्षता संदीप अग्रवाल थलेश्वर साहू अजय अग्रवाल राजेश साहू, राजू देवांगन शशिकिरण खेस श्रवण गोयल, ने की। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राजू देवांगन, नीरज जिंदिया ने किया अध्यक्षता प्रमोद तायल ने की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशरफ इराकी भोलाशंकर साहू, प्यारे साहू, ललन सोनवानी, सहीम अंसारी, प्रदीप सोनी, आशीष गुप्ता, जितेंद्र शर्मा, किशन देवांगन, सरोज साहू, रोशनी सोनी, उर्मिला ज्योति दास, सुषमा पांडेय, संतोष साहू, सुखराम कसेर, लोकनाथ बैगा, दिलीप साहू, राजू साहू, मनोज सोनी, दीक्षित वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लेते हुए सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

आज आएंगे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, कार्यकर्ताओ से होंगे रूबरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज आज जिले के तीनों विधानसभाओं में पंचायत व बूथ कमेटी तक पहुँचेंगे। उनके आगमन को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में व्यापक तैयारियां की जा रही है। आज मंगलवार को अम्बिकापुर से सूरजपुर जिले में प्रवेश कर सबसे पहले श्री बैज कल्याणपुर, पंपापुर व प्रतापपुर होते हुए प्रतापपुर विधानसभा के खोरमा में दोपहर 12 बजे बूथ व पंचायत कमेटियों की बैठक में शिरकत करेंगे। उसके उपरांत जरही, भटगांव व बतरा होते हुए भटगांव विधानसभा के बरपारा में दोपहर 02 बजे आयोजित बैठक में शामिल होंगे। तदोपरांत बिश्रामपुर होते हुए यहां जिला मुख्यालय के सेवाकुंज में कार्यकर्ताओं से भेट-मुलाकात कार्यक्रम में पहुंच जिले के अन्य क्षेत्रों से पहुँचे पार्टी पदाधिकारियों,

जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि संगठन सृजन अभियान के उपरांत नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति के पश्चात पीसीसी चीफ का जिले में प्रथम आगमन है। इसको लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष व उनकी टीम के द्वारा जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। बूथ, मंडल व पंचायत समितियों में नई कमेटियों के गठन और कांग्रेस पार्टी की रीति व नीतियों के साथ सशक्त विपक्ष की भूमिका एवं राज्य सरकार को घेरने सहित मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान, बढ़ती मंहगाई व कांग्रेस के राष्ट्र व प्रदेश व्यापी आह्वान पर जिले, ब्लाक व बूथ स्तर पर हुए कार्यक्रमों की समीक्षा श्री बैज कर रहे हैं। आयोजन के उपरांत स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम व पार्टी के जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों से भेंट-मुलाकात भी करेंगे। वहीं श्री बैज के आगमन पर प्रेमनगर, भटगांव व प्रतापपुर विधानसभा के पदाधिकारी अलग-अलग स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम भी करेंगे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

आवास आबंटन में नियमों को ताक पर रखने का आरोप लगाकर निगम का घेराव

सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने बाहरी लोगों को मकान आबंटित करने का लगाया आरोप

प्रदर्शनकारियों को रोकने पुलिस ने बैरीकेड लगाया, रिंग रोड में घंटों लगा रहा जाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर के द्वारा सुभाषनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहर के एएचपी घटक, मोर मकान-मोर चिन्हारी अंतर्गत 493 आवासों का निर्माण किया गया है। इन आवासों का उद्देश्य सरगुजांचल के गरीब एवं मूल निवासियों को लाभान्वित करना है। सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने इन आवासों के आबंटन को लेकर नगर पालिक निगम पर नियमों की अवहेलना करने आरोप लगाते हुए सोमवार को जमकर हल्ला बोला। इनका कहना है कि बाहरी राज्यों के लोगों से आवेदन प्राप्त करके उन्हें नगर निगम के द्वारा लाभान्वित किया जा रहा है, जबकि सरगुजा संभाग पांचवी अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है। नगर निगम के घेराव की सूचना को लेकर पुलिस पहले से अलर्ट रही। एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में नगर पालिक निगम कार्यालय के दोनों और लगभग सौ-डेढ़ सौ मीटर के फासले तक बैरीकेड लगाए गए थे, जिससे रिंग रोड से आवागमन घंटों अवरूद्ध रहा, और लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। दोपहर करीब 12 बजे से अवरूद्ध मार्ग से 4 बजे के बाद आवागमन सुचारू हो पाया। समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक शोर-शराबा के बाद निगम के आयुक्त के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन की ओर से उपस्थिति तहसीलदार को सौंपा। सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति के डॉ. अमृत मरावी, सुभाष सिंह सहित अन्य ने कहा कि पांचवी अनुसूची क्षेत्र में बाहरी राज्य के व्यक्तियों को मूल निवासी मानकर बसाना संविधान की भावना के विपरीत और गंभीर चिंता का विषय है। संगठन द्वारा इस विषय में निरंतर आवेदन प्रस्तुत किए गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि बीते 07 जनवरी को निगम प्रशासन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना एवं प्रचार-प्रसार के निर्माणाधीन स्थल पर कथित रूप से लॉटरी पद्धति से 67 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया। वास्तविकता यह है कि उस दिन किसी प्रकार की पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, इसका कोई फोटो या वीडियो सार्वजनिक नहीं किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया संदिग्ध प्रतीत होती है। ज्ञापन में उल्लेख है कि आवासों के आबंटन में निगम के कुछ अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से धनराशि लेकर अनियमितता की गई है, जो जांच का विषय है। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, लक्षित हितग्राही समूह तक योजना की जानकारी पहुंचाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना अनिवार्य था, किंतु ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया। इस कारण सरगुजांचल के वास्तविक मूलनिवासी इस योजना से वंचित रह गए। साथ ही, योजना में पात्रता हेतु 31.08.2015 से पूर्व निवासरत होना आवश्यक बताया गया है, जबकि पांचवी अनुसूची क्षेत्र में परंपरागत रूप से 2005 से पूर्व तीन पीढ़ियों से निवासरत मूल निवासियों को प्राथमिकता मिलनी थी। भारत के संविधान के अनुसार, अनुसूचित क्षेत्रों में किसी प्रकार की प्रशासनिक व्यवस्था लागू करते समय यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं रीति-रिवाज प्रभावित न हों। वर्तमान में बाहरी बसाहट के माध्यम से इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। इस दौरान काफी संख्या में समिति से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही।

आवास आवंटन को निरस्त करने की मांग

सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने मांग की है कि 07 जनवरी को 67 हितग्राहियों को किए गए आवास आवंटन को तत्काल निरस्त किया जाए। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो। योजना का प्रचार-प्रसार कर वास्तविक लक्षित हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किया जाए। पांचवी अनुसूची क्षेत्र के मूल निवासी हितग्राहियों को पारदर्शी, लॉटरी प्रक्रिया से आवास आबंटित किया जाए। उक्त मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर सरगुजांचल के समस्त मूल निवासी उग्र आंदोलन करने बाध्य होंगे, इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

दुकानों के आवंटन में भी अनियमितता का आरोप

सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने प्रतिक्षा बस स्टैंड परिसर में निर्मित दुकानों के आवंटन में भी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच एवं वैधानिक कार्रवाई हेतु आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा है, इसमें उल्लेख है कि नगर पालिक निगम अंबिकापुर द्वारा दुकान आवंटन में गंभीर अनियमितता बरती गई है। आवंटन प्रक्रिया में निर्धारित नियमों, पात्रता, मानदंडों एवं शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का समुचित पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए अपात्र व्यक्तियों को अनुचित लाभ प्रदान करने की आशंका जताई गई है। मांग की गई है कि आवंटन प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच हेतु एक स्वतंत्र एवं सक्षम जांच समिति का गठन किया जाए। समस्त आवंटनों की नियमावली, पात्रता मानदंड एवं निर्देशिका की विस्तृत समीक्षा कराई जाए। जिन मामलों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, संबंधित आवंटनों को निरस्त करते हुए दोषियों के विरूद्ध वैधानिक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए स्थानीय निवासियों को शासन के प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकता दिया जाए।

निगम के कर्मचारी पर भी दोषारोपण

सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने निगम में कार्यरत एक कर्मचारी पर शासकीय आवास योजनाओं का दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। आरोप है कि उक्त कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा राजीव गांधी आश्रय योजना अंतर्गत अपात्र होते हुए भी लाभ प्राप्त किया गया है। एक ही परिवार द्वारा नियमों के विरुद्ध बहु-लाभ प्राप्त करना योजना के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। यह भी आरोप है कि सुभाषनगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत मोर मकान-मोर चिन्हारी योजना में भी संबंधित कर्मचारी द्वारा आम नागरिकों से आवंटन के नाम पर अवैध धन की मांग करते हुए वसूली की जा रही है। मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है।

टमाटर लोड पिकअप बाइक सवार को चपेट में लेते पेड़ से टकराकर पलटी, युवक की मौत

पत्नी की आंखों के सामने हुआ दर्दनाक हादसा, मृतक लौट रहा था ससुराल से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य मार्ग में हादसों का दौर जारी है। हाल में तेज रफ्तार कार के चालक ने सड़क के किनारे खड़ी दो महिलाओं को चपेट में लिया था, जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुनः 22 मार्च, रविवार की शाम को कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर निवासी एक पहाड़ी कोरवा युवक को पिकअप का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चालन करते हुए चपेट में ले लिया, जिसमें उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप वाहन पलट गई। मृतक की पत्नी कुछ फासले पर खड़ी होकर मोटरसायकल में पेट्रोल भराने के लिए गए पति के आने का राह देख रही थी, और देखते ही देखते दर्दनाक हादसा हो गया।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम रामनगर निवासी मुनेश्वर राम पिता स्व. बालक राम पहाड़ी कोरवा 33 वर्ष, 22 मार्च को अपनी पत्नी अनिता के साथ मोटरसायकल में अपने ससुराल ग्राम गिधाबहरी गया था। शाम को वापस घर आते समय अंबिकापुर-प्रतापपुर रोड स्थित ग्राम सकालो में पेट्रोल पम्प के पास अपनी पत्नी को उतारकर मोटरसायकल में पेट्रोल भराने गया था। पेट्रोल भराकर निकलते समय तेज रफ्तार टमाटर लोड पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 1119 के चालक ने मोटरसायकल सवार को चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर डॉयल 112 की टीम व थाना पुलिस मौके पर पहुंची, और बेसुध पड़े युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के सिर में गंभीर चोट आई थी। मौके पर काफी खून का रिसाव हुआ था। घटना को लेकर इलाके के लोग आक्रोशित थे। इनका कहना था कि आए दिन सब्जी मंडी से पिकअप वाहनों का आना-जाना लगे रहता है। इनकी रफ्तार इतनी तेज रहती है, कब कौन असमय काल का ग्रास बन जाएगा, कहना मुश्किल रहता है। किसी संभावित दुर्घटना को नजरअंदाज करके पिकअप वाहन को अनियंत्रित गति में चालक रोजाना दौड़ाते हैं, और छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की स्थिति बनते रहती है। क्षेत्र के लोगों ने मांग की है कि सब्जी मंडी से निकलने वाले मालवाहकों के गति नियंत्रण की पहल हो और इस मार्ग से मंडी से सब्जी लोड करके आने-जाने वाली वाहनों का संचालन बंद किया जाए, क्योंकि ये जल्दी पहुंचने के चक्कर में औरों की जान को खतरे में डालने में पीछे नहीं रहते हैं।

चालक पिकअप से निकलकर भागा

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि देखते ही देखते पेट्रोल पम्प से निकल रहे युवक को बेकाबू पिकअप का चालक बुरी तरह से चपेट में ले लिया, कुछ फासले पर खड़ी बाइक सवार की पत्नी की चीख निकल गई। इस दौरान हुई जोरदार आवाज के साथ पिकअप, सड़क के किनारे एक पेड़ से टकराकर मौके पर ही पलट गई। पेड़ नहीं होता तो पिकअप सीधे पास ही स्थित एक घर में प्रवेश कर जाती। जब तक लोग पिकअप के पास पहुंच पाते, चालक वाहन का कांच फोड़कर भागने में सफल हो गया।

हाल में हुई थी दो महिलाओं की मौत

अंबिकापुर-प्रतापपुर रोड में बीते गुरूवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से सड़क के किनारे खड़ी दो महिलाओं की मौत हो गई थी। यह मार्ग तेज रफ्तार वाहनों और अनियंत्रित रफ्तार में सब्जियों को लोड करके जाने वाली पिकअप वाहनों के कारण असुरक्षित बना हुआ है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस मार्ग में आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन बेकाबू रफ्तार पर लगाम नहीं लग पाया है। बड़े हादसों का प्रमुख कारण सब्जी परिवहन में लगी पिकअप की खूनी रफ्तार है, जिस पर समय रहते अंकुश लगाने की जरूरत है।

विज्ञान प्रगतिरत समाज की आधारशिला है-संजय गुप्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 'विज्ञान संसार' पत्रिका के 15वें अंक का विमोचन संयुक्त संचालक शिक्षा, सरगुजा संभाग संजय गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शिक्षा एवं विज्ञान से जुड़े कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। पत्रिका का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच का विकास करना तथा विज्ञान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। प्रत्येक तीन माह में प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका निरंतर नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है और अपनी उपयोगिता के कारण लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचती रही है। विमोचन अवसर पर संजय गुप्ता ने अपने उद्बोधन में विद्यालयों की प्रगति के आधार के रूप में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही समाज के लिए वास्तव में उपयोगी सिद्ध होता है। नकारात्मक व्यक्ति खुद के साथ साथ समाज को भी पतन की ओर ले जाता है। कार्यक्रम में पत्रिका के प्रबंध संपादक डॉ. अंचल कुमार सिन्हा तथा संपादक संस्कृति श्रीवास्तव भी उपस्थित थीं। संस्कृति श्रीवास्तव ने अपने पूर्व कार्य 'पंचतंत्र' के सरगुजिया अनुवाद के बारे में जानकारी दी और इसे हर विद्यालय तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। संयुक्त संचालक शिक्षा ने इस दिशा में हर संभव सहयोग का आश्वासन देने के साथ पत्रिका को और उपयोगी बनाए हेतु सुझाव भी दिए।

भगवानपुर खुर्द में आयोजित तीन दिवसीय बाल चेतना शिविर संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा एवं चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान् में आयोजित तीन दिवसीय बाल चेतना शिविर संपन्न हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं डीआईजी सरगुजा राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में भगवानपुर खुर्द गांव में आयोजित शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए ड्राईंग, डांसिंग, योगा, बौद्धिक परिचर्चा, नैतिक शिक्षा, नशामुक्ति, खेलकूद जैसी विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और नए-नए गुण सीखे। अभिभावकों ने भी बाल चेतना शिविर की सराहना करते हुए नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के प्रयासों को सराहा। शिविर में वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी कर्मयोग राज्य समन्वयक आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़, वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी, युवा समाजसेवी अनिल कुमार मिश्रा, समाजसेविका सुनिधि शुक्ला काउन्सलर एवं राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एमएसडब्लू द्वितीय सेमेस्टर की इन्टर्नशिप छात्रा रेवती पाण्डेय ने फैसलीटेशन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भगवानपुर खुर्द के ग्रामीणों, बच्चों के अभिभावकों, सरिता पाण्डेय, नलिनी पाण्डेय समाजसेविका का सराहनीय योगदान रहा।

हिन्दी विषय की केन्द्रीकृत वार्षिक परीक्षा संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। केन्द्रीकृत वार्षिक परीक्षा 2026 अंतर्गत सोमवार को कक्षा 5वीं के हिन्दी, अंग्रेजी माध्यम हिन्दी विषय की परीक्षा जिले के निर्धारित कुल 1563 परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई। जिला स्तर एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित विशेष निरीक्षण दलों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। परीक्षा का संचालन पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में किया गया। हिन्दी, अंग्रेजी माध्यम हिन्दी विषय की परीक्षा में कुल कुल 16,665 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 16,612 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 53 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

सरगुजा के ग्रामीण अंचल में रहने वाले प्रिंस का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर विकासखंड के सुदूर ग्रामीण अंचल रजपुरीखुर्द में संचालित गुरुकुल पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थी प्रिंस राज राजवाड़े पिता गया राम राजवाडे , माता-कदम राजवाड़े का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। विद्यालय की प्राचार्य खुशबु प्रजापति ने बताया कि ग्रामीण अंचल में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा देने के उद्देश्य से उनके द्वारा विद्यालय का संचालन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। विद्यालय की दर्ज संख्या ग्रामीण परिवेश में स्कूल होते हुए भी वर्तमान में 200 से अधिक है। विद्यालय में सेवा कर रही है शिक्षिकाओं के द्वारा किताबी ज्ञान के साथ विद्यालय में ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है, जिसका प्रतिफल विद्यालय के विद्यार्थी प्रिंस राज राजवाड़े का बिना किसी बाहरी कोचिंग के विद्यालय की शिक्षा एवं स्वाध्याय के बीच जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में चयन मिलना है। विद्यालय परिवार ने प्रिंस राज राजवाड़े को उनकी इस उपलब्धि हेतु अपनी शुभकामनाएं दी है।

किराना दुकान से नकदी सहित 9 हजार का सामान चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीमेंट का कराकट तोड़कर घुसे चोरों ने किराना एवं जनरल स्टोर से नकदी सहित लगभग नौ हजार रुपये का सामान पार कर दिया। जानकारी के मुताबिक खिलेश्वर प्रसाद यादव पिता पन्ना लाल यादव 37 वर्ष निवासी गंगापुर, प्रह्लाद किराना एवं जनरल स्टोर का संचालन वसुंधरा मॉल के पीछे, आरबी सिंह के यहां किराए मकान में करता है। 17 मार्च का रात्रि 10 बजे दुकान में ताला बंद करके वह रोजाना की भांति वापस घर आ गया था। 18 मार्च को सुबह 10 बजे के लगभग दुकान में ताला खोलकर अंदर घुसा तो अंदर समान बिखरा हुआ था। दुकान के ऊपर लगा सिमेंट का सीट टूटा हुआ था। दुकान के काउंटर में रखा नकद 4000 रुपये नहीं था। वहीं सिगरेट का 20 पैकेट, गुटका 6 पुड़िया नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन ने रंजीत सारथी एवं आनंद यादव को सम्मानित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन द्वारा महात्मा गांधी, कला मंदिर सिविल सेंटर भिलाई के सभागार में सामाजिक समरसता राज्य अलंकरण वर्ष 2026 समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेघनाथ यादव प्रदेश अध्यक्ष सर्व समाज छत्तीसगढ़ ने की। विशिष्ट अतिथि ललित चंद्राकरी उपाध्यक्ष छ.ग. पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण एवं विधायक दुर्ग ग्रामीण, शशि सिन्हा महापौर नगर पालिक निगम रिशाली, नरेन्द्र कुमार बंछोर चेयरमेन, सेबी/अध्यक्ष आफिसर्स एसोसिएशन भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई रहे। अतिथियों ने इस मौके पर सरगुजा के वरिष्ठ साहित्यकार एवं छत्तीसगढ़ राज भाषा आयोग द्वारा सरगुजिहा भाषा विद् से सम्मानित, समाज हित में निरंतर कार्य करने वाले रंजीत सारथी व जिले के लोकप्रिय कलाकार आनंद यादव का विभिन्न क्षेत्रों में समाज हित में निरंतर कार्य करने के लिए पुष्प गुच्छ, श्रीफल, शॉल भेंट करके सम्मानित किया। इस दौरान सभी समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य भारी संख्या में उपस्थित थे।

भाजपा युवामोर्चा कुन्नी मंडल के अध्यक्ष बने निखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सरगुजा की जिला व मंडल की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप भाजपा सरगुजा के जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह (शोलु) ने की। नई सूची में लखनपुर के ग्राम पंचायत सलका निवासी क्षेत्र के सक्रिय युवा नेता निखिल मरावी को कुन्नी मंडल अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस घोषणा के बाद जिले व मंडल के भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। निखिल मरावी का संगठनात्मक जुड़ाव वर्ष 2015 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से प्रारंभ हुआ। छात्र जीवन से ही राष्ट्रहित और संगठन के कार्यों में इनकी सक्रिय भूमिका रही। सरगुजा विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को लेकर सशक्त छात्र आंदोलन खड़ा करने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन्हें पहला दायित्व नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मिला, इसके पश्चात वे नगर सहमंत्री, जिला संयोजक, विभाग संयोजक, प्रदेश सहमंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों पर कार्य करते रहे। उन्होंने युवाओं को संगठन से जोड़ने और राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। इनके नेतृत्व में युवा मोर्चा कुन्नी मंडल में और अधिक सशक्त होगा, संगठन को नया आयाम मिलेगा, अपेक्षा व्यक्त की गई है। निखिल मरावी ने कहा है कि वे मिले दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का कार्य करेंगे।

ओपन स्कूल परीक्षा दौरान उड़नदस्ता टीम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा-2026 अंतर्गत 23 मार्च, सोमवार को कक्षा 12वीं के भौतिकी विषय की परीक्षा जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान उड़नदस्ता टीम द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों में व्यवस्थाओं, गोपनीयता एवं निष्पक्षता का जायजा लिया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त परीक्षा में कुल 1054 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1000 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 54 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर